गैरसैंण, शुक्रवार
29 अगस्त 2025
वर्ष: 17
अंक: 116 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

खंडूरी का निधन पत्रकारिता जगत के लिए एक अपूर्णीय क्षति: महाराज

देहरादून। प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने अमर उजाला के राज्य ब्यूरो और वरिष्ठ पत्रकार राकेश खंडूरी के असामायिक निधन पर दुःख जताते हुए अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने अमर उजाला के राज्य ब्यूरो और वरिष्ठ पत्रकार राकेश खंडूरी के निधन को सम्पूर्ण पत्रकारिता जगत की एक अपूर्णीय क्षति बताते हुए कहा कि उत्तराखंड की पत्रकारिता ने एक अनमोल धरोहर को खो दिया है। उन्होंने कहा कि राकेश खंडूड़ी जनसरोकारों से जुड़े होने के साथ साथ पहाड़ के हर छोटे–बड़े मुद्दे पर गंभीरता से अपनी कलम चलाते रहे। उनकी लेखनी सदैव निष्पक्ष, ईमानदार और समाज के हितों के लिए समर्पित रही। प्रदेश के पत्रकारिता जगत में उनकी कमी हमेशा महसूस की जाती रहेगी।

कुमाऊं के तीन जिलों में ऑरेंज अलर्ट

हल्द्वानी। हल्द्वानी में गुरुवार को मौसम सुहावना रहा। कुमाऊं में शुक्रवार को नैनीताल, पिथौरागढ़ व बागेश्वर में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। गुरुवार को हल्द्वानी में सुबह की शुरुआत बारिश के साथ हुई। करीब नौ बजे बारिश रुकी और मौसम साफ हो गया। दोपहर बाद आसमान में काले बादल छाए और बारिश शुरू हुई। हल्द्वानी में अधिकतम तापमान 28 डिग्री व न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के वैज्ञानिक रोहित थपलियाल ने बताया की 29 अगस्त को कुमाऊं के तीन जिलों नैनीताल, पिथौरागढ़ व बागेश्वर में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

सरयू नदी में महिला का शव मिला, सनसनी

बागेश्वर। कोतवाली पुलिस क्षेत्र के अंतर्गत फटगली, हाल कठायतबाड़ा निवासी 60 वर्षीया बसंती देवी पत्नी राधेश्याम का सरयू नदी में शव मिला है। सूचना के बाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। कोतवाल कैलाश नेगी ने बताया कि महिला सुबह पांच बजे से घर से लापता थी। परिजन उन्हें ढूंढ रहे थे। विकास भवन के सामने नदी में उनका शव मिला है। उनके पुत्र संतोष ने महिला की शिनाख्त की। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। परिजनों ने बताया कि वह लंबे समय से मानसिक रूप से परेशान चल रही थी। उनका इलाज भी चल रहा था।

विदेश में पढ़ाई व नौकरी का झांसा देकर युवक से लाखों की ठगी

हरिद्वार। पढ़ाई और नौकरी के लिए विदेश जाने का सपना देखने वाले बीएचईएल निवासी एक ग्रेजुएट युवक से लाखों की ठगी हो गई। युवक को पहले रूस भेजा गया, जहां कॉलेज पहुंचने पर पता चला कि उसका एडमिशन ही नहीं हुआ है। दोबारा झांसा देकर भेजा गया तो वीजा खत्म होने पर उसे ठंड में सड़कों पर रहना पड़ा। इसके बाद मॉरीशस में वर्क वीजा के नाम पर भी धोखा दिया गया। अब पीड़ित ने रानीपुर थाने में आरोपी पिता–पुत्र के खिलाफ केस दर्ज कराया है। बीएचईएल कॉलोनी निवासी मोहम्मद नदीम ने शिकायत कर बताया कि वह विदेश में पढ़ाई और नौकरी करना चाहता था। इस दौरान उसका परिचय अपने मामा के बेटे सरफराज के जरिए सहारनपुर देवबंद के निवासी मनिकांत त्यागी से हुआ।

शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण का आरोप, केस दर्ज

रुद्रपुर। शक्तिफार्म के एक गांव की युवती ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया है। तहरीर पर पुलिस ने तीन लोगों के विरुद्ध केस दर्ज किया है। युवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गदरपुर निवासी प्रभाष बाईन पुत्र बाबू बाईन ने उससे शादी का झांसा देकर पिछले चार सालों में कई बार शारीरिक संबंध बनाए। शादी के लिए कहने पर वह टाल–मटोल करने लगा। वहीं, जब इस संबंध में उसके परिजनों से शिकायत की तो उन्होंने उसे प्रभाष से शादी न कराने की बात कहकर जान से मारने की धमकी दी।

आठ हजार रुपये घूस लेते सतपुली ट्रेजरी का एसडीओ गिरफ्तार

देहरादून। आठ हजार रुपये घूस लेने के आरोप में विजिलेंस ने गुरुवार को पौड़ी जिले के सतपुली स्थित ट्रेजरी कार्यालय के एसडीओ को रंगे हाथ ट्रैप कर लिया। आरोपी के ट्रैप होते ही उसके सतपुली और देहरादून स्थित आवास पर छापेमारी कर विजिलेंस ने साक्ष्य जुटाए। घूस लेने का मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी से पूछताछ की जा रही है। शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। विजिलेंस के एडीजी वी मुरूगेशन ने बताया कि सतपुली नगरपंचायत में साईं ए वन सर्विसेज कंपनी ने कूड़ा उठान का काम किया। कंपनी को नगर पंचायत से ट्रेजरी के जरिए भुगतान दिया जाता है। नगर पंचायत ने करीब दस लाख रुपये का भुगतान करने की रिपोर्ट ट्रेजरी को भेजी। कंपनी संचालक ने सतपुली ट्रेजरी कार्यालय में संपर्क किया। आरोप है कि वहां तैनात एसडीओ कौशल कुमार ने कंपनी का भुगतान जारी करने के लिए दस हजार रुपये रिश्वत मांगी। बाद में आठ हजार रुपये पर अड़ गए। तब कंपनी संचालक ने विजिलेंस में इसकी शिकायत कर दी। विजिलेंस ने ट्रैप टीम गठित कर सतपुली भेजी। जैसे ही कंपनी संचालक ने आरोपी एसडीओ कौशल कुमार को रिश्वत दी तो विजिलेंस ने ट्रैप कर लिया। ट्रैप सफल होते ही विजिलेंस की एक टीम ने उनसे पूछताछ शुरू की। दूसरी टीम ने उनके सतपुली आवास और तीसरी टीम ने आरोपी के देहरादून में रायपुर क्षेत्र के लोअर तुनवाला, लक्ष्मीपुरम स्थित आवास पर छापा मारा। आवास से बरामद दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

बौछारों का दौर लगातार जारी, पर्वतीय जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

देहरादून। प्रदेश में बारिश का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रही है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी देहरादून सहित नैनीताल, बागेश्वर व पिथौरागढ़ जनपदों में कहीं–कहीं भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है।

इसके अलावा उत्तरकाश, रुद्रप्रयाग, चमोली, टिहरी व पौड़ी गढ़वाल जनपदों में कहीं–कहीं बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। अन्य जनपदों में तीव्र से अति तीव्र दौर में बारिश व आकाशीय बिजली चमकने का अलर्ट जारी किया है।

शुक्रवार को प्रातः से ही कई जनपदों में तेज बारिश शुरू हो गई थी। कुछ समय के लिए आसमान में बादल छाए रहे और दोपहर दो बजे तीव्र गति से बारिश शुरू हो गई। हालांकि बारिश कुछ ही समय पड़ी, जिससे अधिक परेशानी नहीं हुई।

बारिश स्कूलों की छुट्टी के समय हुई, जिसके कारण बच्चों को परेशानी से जूझना पड़ा। लगातार हो रही बारिश के कारण नदी–नालों में जलस्तर बढ़ गया है। मौसम विभाग ने अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा है।

मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से अल्मोड़ा के मां नंदा देवी मेला का किया शुभारंभ

जागेश्वर धाम सौंदर्यीकरण हेतु 146 करोड़ की स्वीकृति,मां नंदा देवी मंदिर का पारंपरिक शैली में होगा पुनर्निर्माण

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को वर्चुअल माध्यम से अल्मोड़ा के मां नंदा देवी मेला-2025 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अल्मोड़ा वासियों सहित समूचे प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह मेला हमारी लोक आस्था, संस्कृति और पहचान का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक सशक्तिकरण का भी मंच है। कहा कि 2026 में आयोजित होने वाली मां नंदा राजजात यात्रा को भव्य रूप में मनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 12 वर्ष में एक बार आयोजित होने वाली इस यात्रा को दिव्य और भव्य बनाने में हमारी सरकार कोई भी कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। कहा कि हम मानसखंड पर्वत माला मिशन के अंतर्गत हमारे कुमाऊंक्षेत्र के पौराणिक मंदिरों के पुनरुत्थान एवं सौंदर्यीकरण हेतु प्रयास कर रहे हैं। इस परियोजना के अंतर्गत जागेश्वर में मंदिर परिसर के मूल स्वरुप को संरक्षित रखते हुए मास्टर प्लान के अनुसार सौंदर्यीकरण हेतु विभिन्न कार्य गतिमान हैं। इसके लिए जहां एक ओर प्रथम चरण में हमारी सरकार द्वारा 146 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है, वहीं दूसरे चरण के विकास कार्यों की भी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा जहां एक ओर बेस अस्पताल के नए भवन का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, वहीं सोमेश्वर में 100 बेड के उपजिला चिकित्सालय में प्रथम चरण में 50 बेड के अस्पताल का निर्माण भी किया जा रहा है। इसके साथ ही, गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों के इलाज हेतु 50 बेड के अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर ब्लॉक की स्थापना भी की जा रही है। लगभग 5 करोड़ रुपए की लागत से अल्मोड़ा महिला चिकित्सालय का अपग्रेडेशन भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि माँ नंदा देवी के ऐतिहासिक मंदिर का पुनर्निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य पारंपरिक पर्वतीय शैली के अनुरूप वृहद रूप से किया जाएगा। सरकार विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से डीनापानी में नंदादेवी हस्तशिल्प ग्राम की स्थापना भी करेगी। इस क्राफ्ट विलेज द्वारा मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के अंतर्गत स्थानीय महिला उद्यमियों द्वारा बनाए गए उत्पादों सहित विभिन्न ताम्र वस्तुओं, ऐपण कला, काष्ठशिल्प और अन्य पारंपरिक हस्तशिल्प को भी बढ़ावा मिलेगा साथ ही इन उत्पादों को देश-विदेश के बाजार से भी जोड़ा जा सकेगा।

922 करोड़ से अल्मोड़ा-बागेश्वर सड़क चौड़ीकरण

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत पिछले 3 वर्षों में अल्मोड़ा जनपद में 248 किमी. सड़कों का निर्माण करने के साथ ही लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत भी करोड़ों रुपए की लागत से विभिन्न मोटर मार्गों का निर्माण एवं नवीनीकरण कार्य किया है।

इसी क्रम में, जहां एक ओर लगभग 400 करोड़ रूपए की लागत से अल्मोड़ा-पौड़ी गढ़वाल-रुद्रप्रयाग को जोड़ने वाली सड़क का निर्माण करवाया गया है। वहीं लगभग 922 करोड़ रुपए की लागत से अल्मोड़ा-बागेश्वर सड़क के चौड़ीकरण को भी मंजूरी प्रदान की गई है।

नरेंद्र मोदी के बाद किस भाजपा नेता को पीएम पद पर देखना चाहते हैं लोग?

सर्वे में सामने आया नाम

नई दिल्ली। हाल ही में हुए एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि देश की जनता ढट नरेंद्र मोदी के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को अगले प्रधानमंत्री के तौर पर देखती है। इंडिया टुडे की 'मूड ऑफ द नेशन' सर्वे में इस बात का खुलासा हुआ है। वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी इस सर्वे में पीएम पद के लिए लोगों की पसंद बन कर उभरे हैं। वहीं सर्वे में यह बात भी सामने आई है कि देश में 58 प्रतिशत लोग प्रधानमंत्री के तौर पर पीएम मोदी के प्रदर्शन को बहुत अच्छा या अच्छा मानते हैं।नरेंद्र मोदी के बाद प्रधानमंत्री पद के लिए पसंद पूछे जाने पर 28 फीसदी लोगों ने अमित शाह का नाम लिया है। वहीं इसके ठीक बाद लोगों की पसंद योगी आदित्यनाथ हैं। 26 फीसदी लोग योगी आदित्यनाथ को पीएम पद का दावेदार मानते हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को 7 प्रतिशत लोगों ने पीएम पद के लिए अगला दावेदार माना है।

नरेंद्र मोदी ५२ राहुल गांधी

इसके अलावा इस सर्वे में हिस्सा लेने वाले अधिकतर लोग प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बीच पीएम मोदी को ही उपयुक्त मानते हैं। सर्वे में 52 फीसदी लोगों ने पीएम मोदी के पक्ष में वोट दिया है। वहीं 25 फीसदी लोगों ने राहुल गांधी को पीएम पद के लिए बेहतर चेहरा बताया है।

मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या?

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल को एक साल से ज्यादा का समय पूरा हो चुका है। ऐसे में लोगों से ठअ्‌ध सरकार की सबसे बड़ी सफलताओं और विफलताओं पर भी सवाल पूछे गए। सर्वे के अनुसार 27 फीसदी लोगों ने बेरोजगारी को ठअ्‌ध सरकार की सबसे बड़ी विफलता बताया है। वहीं 21 प्रतिशत लोगों ने महंगाई, 7 प्रतिशत लोगों ने आर्थिक विकास में कमी और 6 प्रतिशत लोगों ने सांप्रदायिक हिंसा को सरकार को सबसे बड़ी नाकामी बताया है। सफलताओं की बात की जाए तो 17 फीसदी लोगों ने राम मंदिर और 12 फीसदी लोगों ने ऑपरेशन सिंदूर को केंद्र सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया है।

बिहार में राजग का सीट बंटवारा लगभग तय

नई दिल्ली , बिहार विधानसभा चुनाव इस समय राष्ट्रीय राजनीति में छाए हुए हैं। बेशक चुनाव की तारीख की घोषणा नहीं हुई है लेकिन सियासत चरम पर है। भाजपा, जदयू, कांग्रेस, राजद, जनसुराज सब अपने अपने दांवपेच चल रहे हैं। इस बीच कुछ मीडिया रिपोर्टस में दावा किया जा रहा है कि एनडीए में सीट बंटवारा हो गया है। सूत्रों के दावे के मुताबिक जनता दल यूनाइटेड 102 और भाजपा 101 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) यानी को 20, जीतन राम मांझी की हिंदुस्तान अवाम मोर्चा और उपेंद्र कुशवाहा के राष्ट्रीय लोक मोर्चा को 10–10 सीटें मिली हैं।

बिहार के राजनीतिक इतिहास की बात करें तो लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान जब चिराग पासवान की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में पुनर्वापसी हुई थी और सीटों को लेकर पेच फंसा था, तभी मामले को सुलझाते हुए बिहार विधानसभा चुनाव में बेहतर का आश्वासन दिया गया था। यह आश्वासन सिर्फ चिराग को नहीं मिला था।

नेपाल के रास्ते बिहार में घुसे 3 पाकिस्तानी आतंकी

तीनों जैश–ए–मोहम्मद से जुड़े, पूरे राज्य में हाईअलर्ट

पटना ,बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों और राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के बीच सुरक्षा एजेंसियों को बड़ा इनपुट मिला है। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान से जुड़े तीन आतंकवादी नेपाल के रास्ते बिहार में घुस आए हैं। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है।

जानकारी के अनुसार, जिन तीन आतंकियों की तलाश की जा रही है, उनके नाम हैं – हसनैन अली, आदिल हुसैन और मोहम्मद उस्मान। तीनों आतंकियों के फोटो भी जारी किए गए हैं। हसनैन रावलपिंडी, आदिल उमरकोट और उस्मान बहावलपुर (पाकिस्तान) का रहने वाला है।

बताया जा रहा है कि ये तीनों जैश–ए–मोहम्मद जैसे पाकिस्तानी आतंकी संगठन से जुड़े हुए हैं। इनपुट्स के अनुसार, आतंकियों ने अगस्त के दूसरे सप्ताह में काठमांडू (नेपाल) में एंट्री ली थी और वहां से पिछले सप्ताह बिहार के रास्ते भारत में घुसे हैं। आशंका जताई जा रही है कि अररिया जिले के जरिए उन्होंने भारत में प्रवेश किया। हालांकि अभी तक इस घुसपैठ की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन पुलिस ने सुरक्षा को लेकर पूरे राज्य में अलर्ट जारी कर दिया है। सभी थानों और जिला पुलिस को आतंकी गतिविधियों से जुड़े किसी भी इनपुट पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस मुख्यालय ने साफ कहा है कि खुफिया तंत्र को पूरी तरह एक्टिव रखा जाए और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जाए। साथ ही आम जनता से भी सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई है।

मोहन भागवत का बड़ा बयान, कहा-संघ सरकार के फैसले नहीं लेता, हर परिवार में 3 बच्चे होना जरूरी

नई दिल्ली ,नई दिल्ली के विज्ञान भवन में तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के व्याख्यानमाला कार्यक्रम '100 वर्ष की संघ यात्रा नए क्षितिज का गुरुवार को अंतिम दिन रहा। इस दौरान आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने बताया कि नई शिक्षा नीति क्यों जरूरी है? मोहन भागवत ने कहा, नई शिक्षा नीति इसलिए शुरू की गई, क्योंकि अतीत में विदेशी आक्रमणकारियों ने हम पर शासन किया था। हम उनके अधीन थे और उनके शासन में उनका उद्देश्य इस देश पर प्रभुत्व स्थापित करना था, न कि इसका विकास करना। उन्होंने राष्ट्र पर नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए प्रणालियां तैयार कीं, लेकिन अब जब हम स्वतंत्र हैं, तो हमारा लक्ष्य सिर्फ शासन करना नहीं, बल्कि अपने लोगों की सेवा और देखभाल करना है। उन्होंने कहा, तकनीक और आधुनिकता का कोई विरोध नहीं है। जैसे–जैसे मानव ज्ञान बढ़ता है, नई तकनीकें उभरती हैं और उन्हें कोई नहीं रोक सकता। वे मनुष्यों के लाभ के लिए आती हैं और यह मनुष्यों पर निर्भर करता है कि वे उनका उपयोग कैसे करते हैं। जब भी कोई तकनीक उभरती है, उसका उपयोग मानवता के लाभ के लिए किया जाना चाहिए। अगर कोई हानिकारक परिणाम हैं, तो हमें उनसे बचना चाहिए और उन्हें रोकना चाहिए।

भाजपा और संघ में कोई विवाद नहीं

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (त्रस्र्स) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा– भाजपा और संघ में कोई विवाद नहीं है। हमारे भाजपा सरकार ही नहीं सभी सरकारों के साथ अच्छे संबंध रहे हैं। सरकार में फैसले लेने के सवाल पर भागवत ने कहा कि यह कहना गलत है कि सरकार में सब कुछ संघ तय करता है। हम सलाह दे सकते हैं, लेकिन निर्णय वे ही लेते हैं। हम तय करते तो इतना समय नहीं लगता।

तीन बच्चे पैदा करना जरूरी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि सभी परिवारों को तीन बच्चे पैदा करने चाहिए। उन्होंने कहा कि भविष्य में परिवार व्यवस्था बनी रहे और देश की सुरक्षा भी सुनिश्चित रहे, इसके लिए जरूरी है कि तीन बच्चे सभी परिवारों में रहें।

हम अंग्रेज नहीं है और हमें अंग्रेज बनने की जरूरत नहीं

मोहन भागवत ने कहा, हम अंग्रेज नहीं हैं और हमें अंग्रेज बनने की जरूरत नहीं है, लेकिन अंग्रेजी एक भाषा है और भाषा सीखने में क्या बुराई है? जब मैं आठवीं कक्षा में था, तब मेरे पिता ने मुझे 'ओलिवर ट्विस्ट्‌ज़ और 'द प्रिजनर ऑफ जेंडाझ्‌ पढ़ने को कहा था। मैंने कई अंग्रेजी उपन्यास पढ़े हैं, फिर भी इससे हिंदुत्व के प्रति मेरे प्रेम पर जरा भी असर नहीं पड़ा। इंग्लिश नॉवेल पढ़ें और प्रेमचंद जैसे भारतीय कहानीकारों को छोड़ दें, ये ठीक नहीं है।उन्होंने कहा कि एक श्रमिक संगठन, एक लघु उद्योग संगठन, सरकार और पार्टी, इन चारों को एकमत होना होगा, जो बहुत दुर्लभ है। संघर्ष हो सकता है, लेकिन झगड़ा नहीं होना चाहिए। लक्ष्य एक ही है, हमारे देश की भलाई, हमारे लोगों की भलाई।

मंडी में भूस्खलन : चंडीगढ़–मनाली हाईवे फिर बंद, कंगना रनौत ने जताया दुख

मंडी ,हिमाचल प्रदेश के मंडी में भूस्खलन से चंडीगढ़–मनाली नेशनल हाईवे क्षतिग्रस्त हो गया है। पंडोह डैम के पास कैंची मोड़ के निकट हाईवे का एक बड़ा हिस्सा भारी बारिश के कारण धंस गया है। रात भर हुई तेज बारिश ने हाईवे को पूरी तरह तबाह कर दिया, जिससे न तो वाहन और न ही पैदल चलने का रास्ता बचा है। वहीं, इस हादसे पर मंडी की सांसद कंगना रनौत ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मंडी–बनाला के पास हुआ यह भीषण हादसा बेहद दुखद है। पहाड़ धंसने से कई लोग और वाहन मलबे में दबे हो सकते हैं। मैं प्रभावित परिवारों के साथ हूं और प्रशासन से लगातार संपर्क में हूं। राहत कार्य तेजी से चल रहा है। ईश्वर सभी को सुरक्षित रखें और घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करती हूं। इससे पहले, हाईवे बनाला के पास भूस्खलन से बंद था, जहां भारी वाहनों को 9 मील के पास रोक दिया गया था। हाईवे को आज बनाला में पत्थर हटाकर बहाल करने की योजना थी, लेकिन कैंची मोड़ पर हुए इस नए धंसाव ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बनाला में पत्थर हटाने का काम पूरा हो गया है, लेकिन कैंची मोड़ की मरम्मत या वैकल्पिक मार्ग बनाने में वक्त लगेगा। इससे पहले, हाईवे दवाड़ा के पास तीन दिन बाद बहाल हुआ था,

महाराष्ट्र के पालघर में चार मंजिला इमारत ढही, अब तक 15 की मौत

पालघर/विरार , महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार में सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां रामाबाई अपार्टमेंट नाम की चार मंजिला इमारत का पिछला हिस्सा अचानक गिर गया। इस हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें एक मां–बेटी की जोड़ी भी शामिल है। एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जबकि राहत और बचाव कार्य अभी भी जारी है। यह हादसा सुबह करीब 12:05 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि यह इमारत 2012 में बनाई गई थी, लेकिन इसके निर्माण के लिए कोई वैध अनुमति नहीं ली गई थी। वसई–विरार नगर निगम ने पहले ही इसे गैरकानूनी घोषित किया था। हादसे के बाद पुलिस ने इमारत के बिल्डर को हिरासत में ले लिया है। इमारत में कुल 50 फ्लैट थे, जिनमें से 12 फ्लैट उस हिस्से में थे जो ढह गया। हादसे के तुरंत बाद नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की दो टीमें मौके पर पहुंच गईं। शुरू में मलबा हटाने का काम हाथों से किया गया, क्योंकि संकरी गलियों की वजह से भारी मशीनें वहां नहीं पहुंच पा रही थीं। अब मशीनों की मदद से मलबा हटाया जा रहा है।जिला कलेक्टर इंदु रानी जाखड़ ने बताया कि मलबे में अब भी कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। अब तक 17 लोगों को निकाला गया है, जिनमें 15 की मौत हो चुकी है, एक घायल है और दो को सुरक्षित बचा लिया गया है।

राष्ट्रपति–राज्यपाल के फैसलों के खिलाफ याचिका दायर नहीं कर सकते राज्य, केंद्र की दलील

नई दिल्ली ,। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में स्पष्ट किया कि राज्य सरकारें विधानसभाओं द्वारा पारित बिलों पर राष्ट्रपति या राज्यपाल के फैसलों के खिलाफ मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का दावा करते हुए सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर नहीं कर सकतीं।

केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने यह बात चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ के सामने कही। संविधान पीठ में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल थे। मेहता ने कहा कि राष्ट्रपति इस बात पर सुप्रीम कोर्ट की राय लेना चाहती हैं कि क्या राज्य सरकारें संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत ऐसी याचिकाएं दायर कर सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति यह भी जानना चाहती हैं कि संविधान के अनुच्छेद 361 का दायरा क्या है। यह अनुच्छेद कहता है कि राष्ट्रपति या राज्यपाल अपने अधिकारों और कर्तव्यों के निर्वहन के लिए किसी भी अदालत के प्रति जवाबदेह नहीं होंगे। राष्ट्रपति और राज्यपाल के विधेयकों पर फैसला लेने के अधिकार क्षेत्र से जुड़े प्रेसिडेंशियल रेफरेंस पर संविधान पीठ सुनवाई कर रही है। सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इस रेफरेंस के जरिए राष्ट्रपति दो सवालों पर कोर्ट की राय जानना चाहती है। मेहता ने संविधान पीठ को बताया कि इन सवालों पर पहले भी चर्चा हुई है। लेकिन राष्ट्रपति का मत है कि अदालत की स्पष्ट राय जरूरी है, क्योंकि भविष्य में ऐसा मामला फिर उठ सकता है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 32 के तहत राज्य सरकार की ओर से राष्ट्रपति या राज्यपाल के फैसलों को चुनौती देने वाली याचिका स्वीकार नहीं की जा सकती। न तो कोर्ट ऐसे मामलों में कोई निर्देश दे सकता है और न ही इन फैसलों को अदालत में चुनौती दी जा सकती है।

उन्होंने आगे कहा, अनुच्छेद 32 का उपयोग तब किया जाता है, जब मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता है। लेकिन सांविधानिक ढांचे में राज्य सरकार खुद मौलिक अधिकार नहीं रखती। राज्य सरकार की भूमिका यह है कि वह अपने नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करे। सॉलिसिटर जनरल ने आठ अप्रैल के उस फैसले का भी जिक्रकिया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर राज्यपाल समयसीमा के भीतर विधेयकों पर फैसला नहीं करते तो राज्य सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकते हैं।

राज्यपाल का छह महीने तक विधेयक लंबित रखना सही नहीं: सीजेआई

इस पर सीजेआई गवई ने कहा कि वह आठ अप्रैल के दो जजों के फैसले पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन यह भी कहा कि राज्यपाल का किसी विधेयक को छह महीने तक लंबित रखना सही नहीं है। मेहता ने जवाब में कहा कि अगर एक सांविधानिक संस्था अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करती, तो इसका मतलब यह नहीं कि कोर्ट दूसरी सांविधानिक संस्था को आदेश दे। इस पर सीजेआई ने कहा, हां, हम समझ रहे हैं कि आप क्या कह रहे हैं। लेकिन अगर यह अदालत ही किसी मामले को 10 साल तक नहीं सुलझाए, तो क्या राष्ट्रपति को कोई आदेश देने का हक होगा? सुनवाई अभी जारी है। 26 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने यह सवाल उठाया था कि अगर कोई राज्यपाल किसी विधेयक पर अनिश्चितकाल तक फैसला नहीं लेता तो क्या अदालत के पास कोई उपाय नहीं रहेगा? क्या राज्यपाल की स्वतंत्र शक्ति के चलते बजट जैसे जरूरी विधेयक भी अटक सकते हैं? शीर्ष कोर्ट ने यह सवाल तब उठाया जब कुछ भाजपा शासित राज्यों ने कहा कि राज्यपाल और राष्ट्रपति को विधेयकों पर फैसला लेने में पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिए। इन राज्यों ने यह भी कहा कि कोर्ट हर समस्या का हल नहीं हो सकती। सुप्रीम कोर्ट अभी राष्ट्रपति की ओर से भेजे गए उस सांविधानिक संदर्भ पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें पूछा गया है कि क्या अदालत राज्यपाल और राष्ट्रपति को यह निर्देश दे सकती है कि वे विधानसभा से पारित हुए विधेयकों पर तय समयसीमा में निर्णय लें? मई में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुच्छेद 143(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी थी कि क्या अदालत राष्ट्रपति को निर्देश दे सकती है कि वह राज्य विधानसभा से आए विधेयकों पर कब और कैसे फैसला लें।

सम्पादकीय

अधिकार यात्रा में शर्मसार राजनीति

क्या वोटो के लिए राजनीति इतनी नीचे गिर गई है कि वह अपने प्रतिद्वंदियों को गंदी–गंदी गालियां तक बोलने लगे। बिहार में "इंडी गठबंधन" की "वोटर अधिकार यात्रा" के दौरान कांग्रेस उम्मीदवार के मंच से जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया गया उसने पूरे बिहार और राजनीति को शर्मसार कर दिया है। हजारों लोगों की भीड़ में मंच से नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को व्यक्तिगत तौर पर गालियां बकी गई, इसके बाद रैली में हड़कंप मच गया आयोजकों ने स्थिति को संभालने का प्रयास किया लेकिन तब तक गंदी गालियों का यह वीडियो क्लिप पूरे देश में वायरल हो गया। वायरल वीडियो में स्पष्ट तौर पर सुनाई दिया गया कि प्रधानमंत्री को मां से संबंधित गाली दी गई इसके बाद किसी ने गाली देने वाले को रोका और माहौल को दूसरे नारों से बदलने का प्रयास किया। यह वाकई बेहद शर्म की बात है की राजनीतिक प्रतिद्वंदिता को लेकर इस प्रकार के शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है।

निश्चित तौर पर इस रैली और मंच से निकाले गए अपशब्द कांग्रेस और राजा के गठबंधन के लिए अब बिहार चुनाव में एक मुसीबत बनने जा रहा है। मंच से स्वर्गीय पीएम मोदी की स्वर्गीय मां के प्रति अभद्र व आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करना अत्यंत ही निंदनीय, अमर्यादित एवं कुत्सित मानसिकता का प्रतीक है। यह केवल राजनीति की मर्यादा का पतन नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति की जड़ों में रचे–बसे मातृत्व और नारी सम्मान पर भी सीधा प्रहार है। जिन नेताओं से जनता संवेदनशीलता और सकारात्मक राजनीति की अपेक्षा करती है, उनका इस स्तर तक गिर जाना उनके अंतर्मन की दूषित सोच और लगातार जनता से मिल रही अस्वीकृति की बौखलाहट का स्पष्ट प्रमाण है। राजनीति का यह स्वरूप देश की प्रबुद्ध जनता कभी भी स्वीकार नहीं करेगी। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव इस समय बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाल रहे हैं। यह जनसभा भी इसी यात्रा का एक हिस्सा थी जहां से प्रधानमंत्री व उनकी मां के लिए गालियों की बौछार की गई। स्पष्ट तौर पर कांग्रेस के मंच से दी गई इस गाली का असर भाजपा संगठन में भी होगा और इसी की प्रतिक्रिया में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने विपक्षी कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं की क्लास लगाना शुरू कर दी है। किसी को केवल राजनीतिक प्रतिद्वंदिता और वोटो की खातिर गालियां देना समाज में द्वेष पैदा करने वाले लोगों की भाषा है। देश स्तब्ध है इस प्रकरण से, और इस संबंध में विपक्ष द्वारा प्रधानमंत्री या जनता से माफी तक नहीं मांगी गई है। उल्टे इसे पार्टी का आधिकारिक मंच न बताकर प्रतिक्रिया की राजनीति की जा रही है, जो कि बेहद शर्मनाक है। राजनीतिक मचों से वैसे तो पहले भी नेताओं द्वारा विवादित बयान दिए जाते रहे हैं, लेकिन इस बार तो सारी सीमाओं को पार करते हुए प्रधानमंत्री को मां से संबंधित गाली दी गई, जिस देश की जनता व्यतीत तो है ही साथ ही साथ ही राजनीति के इस गिरते स्तर से चिंतित भी है।

पुराना नारा नए मौसम के लिए चमका दिया

श्रुति व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन में हर साल भारत को एक नए सवेरे का वादा मिला है! हर वर्ष का हिसाब यदि लगाए तो प्रति वर्ष नई थीम पर एक नारा, एक प्रण और शुरू एक काउंटडाउन। मतलब कल हमेशा नए नाम से, नई पैकेजिंग में लौट आता है! मानो पूरा देश एक स्थायी वेटिंग रूम में नए वादों की स्थाई इंतजारी की नियति लिए हुए हो। और ऐसा इस स्वतंत्रता दिवस पर भी हुआ। पुराना नारा नए मौसम के लिए चमका दिया गया– पुरानी शराब, नई बोतल। और सोमवार तक उसके पैकेज को सरकार ने बाकायदा और महत्वाकांक्षी, और तात्कालिक तथा लुभावना बना दिया।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने नए नए जुमले के साथ नया अध्याय खोला– 100 दिन का ट्रांसफॉर्मेशन एजेंडा, और यह भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की तेज़ रफ़्तार यात्रा का कथित रोडमैप है। प्रधानमंत्री के लालक़िले के संकल्पों पर आधारित यह योजना पंच प्राणों का सहारा लेती है–एकता, कर्तव्य, धरोहर और औपनिवेशिक मानसिकता का त्याग। उन्होंने कहा कि हर नागरिक, इस सामूहिक सफ़र का हिस्सेदार बनेगा।

लेकिन यह सब सुनना अजीब तरह से क्या पहले जैसा ही कुछ नहीं है? वही अनुभव कि अगली पंद्रह अगस्त तक के लिए नया झूनझूना!

अब सबकों अनुभव है कि प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति डिलीवरी पर नहीं बल्कि लोगों की इंतज़ारी को आगे बढ़ाती हुई होती है। अब तो इंतजार का 1947 तक का समय तय हुआ है। 'मेक इन इंडियाइ से 'डिजिटल इंडियाइ, आत्मनिर्भर भारत से अमृत काल तक–हर नारा वर्तमान को भूमिका बना देता है और असली वादा उस क्षितिज पर धकेल देता है, जो हमेशा सालो साल दूर खिसकता जाता है। कल की राजनीति देश की गति, रफ्तार का आयाम बनता है, पर अभी तक जो हुआ है, आज का हिसाब नहीं करती। यही कारण है कि 100 दिन का एजेंडा एक नई शुरुआत से ज़्यादा एक दोहराई हुई स्क्रिप्ट लगती है। भारत यह धुन पहले भी सुन चुका है–परिवर्तन, तेज़ रफ़्तार, नियति। अगर अब हम दौड़ने का संकल्प ले रहे हैं, तो पिछले ग्यारह साल क्या कर रहे थे? अगर 2047 मंज़िल है, तो हम अभी भी एजेंडे, घोषणा की बाते ही क्यों करते हुए है? क्यों शुरुआती लाइन पर खड़े हैं?

यह याद रखने लायक है कि भारत ने पहले भी एक ऐसे दौर को जिया है जब विज़न गढ़े जाते थे। आज़ादी के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने स्टील कारखानों, वैज्ञानिक संस्थानों और बाँधों को आधुनिक भारत के मंदिर कहा था। तब यह केवल कथा थी, दृष्टि का छलावा। पर समय बीतने के साथ प्रतीक ढाँचे बने–ईंट–पत्थर में जमी महत्वाकांक्षाएँ। प्रगति के अमूर्त विचार को आकार मिलने लगा। फ़ैक्टरी फ़्लोर पर चला जा सकता था, बाँध की दीवारें उठते देखी जा सकती थीं, आईआईटी परिसर में दाखिला लिया जा सकता था। यह उस भविष्य के ठोस प्रमाण थे जो बन रहा था।

अब ढर्रा बदल गया है। अब अमूर्त विकसित भारत है। मोदी सरकार की कल की राजनीति याकि 2047 की बाते, झांकी अलग तरह की है। उनके नारे– मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, अमृत काल–ठोस नींव, ठोस इमारत, ठोस निर्यात व्यापार, ठोस कल–कारखानों में नहीं बल्कि जुमलों, भावनाएँ और वादे, संकल्प लिए हुए हैं।

अब योजना–काम– परिणाम की पंचवर्षीय योजनाएं नहीं है बल्कि इंतज़ार और काउंटडाउन की कोरियोग्राफ़ी पर पनपते हैं, जहां भविष्य हमेशा सुनहरा होता लगेगा लेकिन हमेशा टलता हुआ और टाइमलाईन बढ़ाता हुआ। जबकि नेहरू ने कम–से–कम संस्थान बनाए, वे कारखाने–बांध खड़े किए थे जिन्हें मापा जा सकता था। वही प्रधानमंत्री मोदी लगातार कहानी–कथाएँ सुनाते है जिन्हे बार–बार दोहराते हुए भी यह नहीं लगता है कि वे थक रहे हो या लोग सुनते–

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने नए नए जुमले के साथ नया अध्याय खोला–100 दिन का ट्रांसफॉर्मेशन एजेंडा, और यह भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की तेज़ रफ़्तार यात्रा का कथित रोडमैप है। प्रधानमंत्री के लालक़िले के संकल्पों पर आधारित यह योजना पंच प्राणों का सहारा लेती है–एकता, कर्तव्य, धरोहर और औपनिवेशिक मानसिकता का त्याग। उन्होंने कहा कि हर नागरिक, इस सामूहिक सफ़र का हिस्सेदार बनेगा। लेकिन यह सब सुनना अजीब तरह से क्या पहले जैसा ही कुछ नहीं है? वही अनुभव कि अगली पंद्रह अगस्त तक के लिए नया झूनझूना!अब सबकों अनुभव है कि प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति डिलीवरी पर नहीं बल्कि लोगों की इंतज़ारी को आगे बढ़ाती हुई होती है। अब तो इंतजार का 1947 तक का समय तय हुआ है। 'मेक इन इंडियाइ से 'डिजिटल इंडियाइ, आत्मनिर्भर भारत से अमृत काल तक–हर नारा वर्तमान को भूमिका बना देता है और असली वादा उस क्षितिज पर धकेल देता है, जो हमेशा सालो साल दूर खिसकता जाता है।

सुनते थक गए हो। इस स्क्रीप्ट में नया 100 दिन का एजेंडा सटीक है। यह तात्कालिकता को दृश्य बनाता है–मानो बारहवें साल में भी सरकार अभी–अभी दौड़ शुरू कर रही हो। लेकिन अगर अब तेज़ रफ़्तार है, तो पिछले ग्यारह साल क्या थे? अगर 2047 मंज़िल है, तो स्टेशन पर क्या तब तक इंतज़ार ही करते रहना है? क्यों? यह सिर्फ़ भाषण का सवाल नहीं है, यह नई राजनीति का एक चिरस्थाई सा ढाँचा बनता लगता है। हमेशा वादा, मगर शायद ही कभी डिलीवरी और कभी खत्म नहीं होने वाला सिलसिला।2020 का आत्मनिर्भर भारत अभियान याद कीजिए। महामारी के चरम पर जब सप्लाई चेन टूट रही थी, प्रधानमंत्री ने असुरक्षा, आपदा को ही अवसर बता बड़े सपने बनाए थे। आत्मनिर्भरता सरकार की नीति नहीं बल्कि दर्शन बना दी गई–मानो यह नियति हो। शब्दों ने आत्म निर्भरता को दृढ़ संकल्प का रूप दिया। उस क्षण में हौसला बढ़ा, पर प्रयोगशालाएँ, सप्लाई चेन, निवेश–जिनसे सच्ची आत्मनिर्भरता आती है–कभी नहीं बने। पाँच साल बाद नारे और वास्तविकता का अंतर और गहरा है। तेल से लेकर सेमीकंडक्टर तक, भारत अब भी आयात पर निर्भर है। डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ़ नीतियाँ–आज 25, कल 50–उस मायाजाल को तार–तार बना देती हैं, जो विपक्ष के बूते में भी नहीं है। समय ही बताता है कि न भारत आत्मनिर्भर हुआ है और उसके दूर–दूर तक कोई लक्षण है।

और यह नेहरू के आधुनिक मंदिरों बनाम मोदी के संकल्पों, एजेंडों, जुमलों और नारों का बुनियादी फर्क है। नेहरू के स्टील प्लांट, रिफाईनरी, सरकारी प्रतिष्ठानों, बाँधों ने लोगों का विस्थापन किया हो या सरकारी भ्रष्टाचार बनवाया हो, वे संस्थान लड़खड़ाए, बावजूद इसके वे सब आज भी खड़े हैं। उनकी आलोचना हो सकती है, समीक्षा हो सकती है, सुधार हो सकता है। मगर जुमले और नारे तो आलोचना से भी परे हैं। संकल्पों और प्रतिज्ञाओं को कोई नहीं मांप सकता है बस उन्हे दोहराते रहा जाता है।

इसीलिए 100 दिन का एजेंडा अपने वादों से ज़्यादा सियासी डिज़ाइन को उजागर करता है। तात्कालिकता यहाँ डिलीवरी नहीं, बल्कि झांकी व दृश्य है। यह एक ऐसे शासन का आभास देता है, जो मानो नयी ऊर्जा से दौड़ रहा हो, जबकि वह असल में सत्ता में बारहवें साल में है। काउंटडाउन पॉलिटिक्स– 100 दिन, 5 प्रण, 2047–मोदी युग के गवर्नेंस की वह व्याकरण है जो संख्यात्मक, लयबद्ध, दोहराने में भरपूर आसान है लेकिन रियलिटी और अनुभवों में मापने में कठिन।

वाणिज्य मंत्री गोयल ने एजेंडा विरासत, परंपरा और औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति को फ़्रेम में रखा। इससे विकास एक सभ्यतागत परियोजना में बदल जाता है, जिसमें कठिनाइयाँ देशभक्ति का त्याग कहलाती हैं। नौकरियाँ नहीं आतीं, अस्पताल फंड नहीं पाते, स्कूल पिछड़ते हैं–तो इसका कारण बताया जाता है कि हम औपनिवेशिक बोझ उतार रहे हैं। सो नागरिकों को सिर्फ़ लाभार्थी नहीं बल्कि त्यागी सैनिक बनना चाहिए ताकि हम एक ऐसे मार्च, एक ऐसी परेड़ का हिस्सा बने जिसका गंतव्य 2047 होगा। अर्थात हमेशा कल।

लेकिन नारों पर कविता कर सकते है लेकिन उसके लिए आंकड़े, अंक कैसे बनेगे? भारत तो जीडीपी का केवल 0.7 अनुसंधान और विकास पर खर्च करता है। मतलब अमेरिका (3.6) और चीन (2.4) से बहुत पीछे। वैश्विक नवाचार सूचकांक पर भारत 39वें स्थान पर है। बेरोज़गारी रिकॉर्ड स्तर पर है, कृषि संकट हर साल गहराता हुआ है, और जलवायु आपदाएँ–बाढ़, भूस्खलन, लू–अब मौसम की परिभाषा बन चुकी हैं। इस सबकों, तमाम समस्याओं को क्या सिर्फ वादों से सुलझाया जा सकता? जाहिर है विकास ख्याली– स्मृतिझकार्य नहीं है बल्कि ठोस कारखानों (कैसे बांग्लादेश ने भारत को परंपरागत वस्त्र उद्योग में भी पछाडा), ढाँचे, निवेश और नवाचार से बनता है। जब तक भारत इसकी बुनियाद पर निवेश याकि प्रयोगशालाएँ, मज़बूत सप्लाई चेन, स्वास्थ्य, शिक्षा को सुधारेगा नहीं कोई खांका नहीं बनना है।

सो कहानी सिर्फ़ अर्थशास्त्र की नहीं, राजनीति के स्वरूप की है। शासन अब कार्यक्रमों से कम और प्रदर्शन से ज़्यादा जुड़ा है। आत्मनिर्भर भारत कोई नीति दस्तावेज़ नहीं, बल्कि एक कथा थी। 100 दिन का एजेंडा कोई सुधार ब्लूप्रिंट नहीं है, बल्कि एक कागजी पटकथा भर है। इसका मक़सद डिलीवरी नहीं, बल्कि ध्यान भटकाना है–आज की समस्याओं से नज़रें हटाकर कल्पित भविष्य की ओर मोड़ना।

शायद इसी कारण मोदी की राजनीति लगातार उड़ती हुई है। इससे नागरिकों को केवल नीतियाँ नहीं, बल्कि नियति, कर्तव्य और सभ्यता के बड़े आख्यान, कथाएं मिलती है। कठिनाई त्याग बन जाती है; देरी अनुशासन। जहां नीति फिसलती है, वहां कविता संभाल लेती है।

चुनाव आयोग खुद एक ऐसी मजबूर संस्था

हरिशंकर व्यास

देश में गिनी चुनी संस्थाएं थीं, जिनके कामकाज को देश के अंदर और बाहर भी सराहा जाता था। उनमें एक संस्था चुनाव आयोग था। टीएन शेषन के समय लोगों ने जाना कि चुनाव आयोग एक संस्था होती है और वह चाहे तो सरकारों को कुछ भी करने के लिए मजबूर कर सकती है। लेकिन अब चुनाव आयोग खुद एक ऐसी मजबूर संस्था दिख रही है, जिस पर दया आती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने दोनों चुनाव आयुक्तों के साथ पिछले रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उसकी ऐसी दयनीयता सामने आई, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है।

विपक्ष के आरोपों पर ऐसे ऐसे बेसिरपैर के तर्क दिए जा रहे थे, जैसे तर्क टेलीविजन की बहसों में पार्टी के प्रवक्ता भी नहीं देते हैं। चुनाव आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके नेता प्रतपिक्ष राहुल गांधी को धमकाया कि आपने जो आरोप लगाए हैं उन्हें हलफनामे के साथ चुनाव आयोग के सामने दायर करें या देश से माफी मांगें। सोचें, पहले चुनाव आयोग सिर्फ एक लाइन कह देता था कि आरोपों की जांच कराई जाएगी और मामला खत्म हो जाता था। अब आयोग को हलफनामा चाहिए तब जांच होगी!

चुनाव आयोग की साख और हैसियत ऐसी हो गई है कि विपक्षी पार्टियों के नेता खुलेआम उसे धमकी दे रहे हैं। राहुल गांधी कह रहे हैं कि चुनाव आयोग के अधिकारी और कर्मचारी होशियार हो जाएं। सत्ता बदलेगी तो सबका हिसाब होगा। उन्होंने यहां तक कहा कि रिटायर हो जाने के बाद भी कोई नहीं बचेगा। इससे पहले क्या किसी संवैधानिक संस्था के प्रति ऐसी अनादर वाली बात किसी विपक्षी पार्टी के मुंह से निकलती थी? विपक्षी पार्टियां चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस को भाजपा के प्रवक्ताओं की प्रेस कॉन्फ्रेंस बता रही हैं। ऐसा होने चुनाव आयोग की अपनी करनियों, अपने रवैए से साख और प्रतिष्ठा गंवाने से है। आयोग ने निष्पक्ष और तटस्थ दिखने का प्रयास ही बंद कर दिया है।इसकी एक मिसाल तो यही है कि राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बेंगलुरू सेंट्रल लोकसभा सीट की एक विधानसभा सीट महादेवपुरा में एक लाख वोट की गड़बड़ी का आरोप लगाया तो चुनाव आयोग ने तत्काल राहुल को नोटिस जारी कर दिया और कहा कि वे अपने आरोपों को हलफनामे के साथ जमा कराएं। इसके अगले ही दिन भाजपा के सांसद अनुराग ठाकुर ने रायबरेली और अमेठी लोकसभा में लाखों वोटों की गड़बड़ी का आरोप लगाया तो चुनाव आयोग ने उनको नोटिस जारी करने की जरुरत नहीं समझी।

चुनाव प्रचार के दौरान भी सत्ता पक्ष के नेताओं के भड़काऊ भाषण की अनगिनत शिकायतें दर्ज कराई जाती हैं लेकिन चुनाव आयोग कान में तेल डाल कर बैठा रहता है। लेकिन अगर किसी विपक्षी नेता के खिलाफ शिकायत आ जाए तो तत्काल कार्रवाई की जाती है। चाहे खर्च का मामला हो या भड़काऊ भाषण का मामला हो या मतदान में गड़बड़ी का मामला हो। हर मामले में चुनाव आयोग विपक्ष के विरोध में काम करता दिखता है। तभी विपक्षी पार्टियों ने उसे भाजपा का अभिन्न अंग बताना शुरू कर दिया है। विपक्षी पार्टियों ने पिछले दिनों कहा कि आयोग को इतने बड़े कार्यालय की क्या जरुरत है। भाजपा कार्यालय में एक फ्लोर पर उसका ऑफिस बना दिया जाए।

आज स्थिति है कि जिसको मन होता है वह चुनाव आयोग पर आरोप लगा कर चला जाता है और आयोग इस बात का रोना रो रहा है कि उसकी इज्जत होनी चाहिए। चुनाव आयोग की ओर से वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि 'वोट चोरीइ जैसा शब्द बहुत अपमानजनक है और ऐसी बात नहीं कही जानी चाहिए। लेकिन सवाल है कि जब आयोग को खुद अपनी इज्जत का ख्याल नहीं है तो दूसरा कोई क्या कर सकता है? विपक्ष कह रहा है कि मतदान की वीडियो फुटेज जारी की जाए तो आयोग ऐसे बेसिरपैर के तर्क देता है कि दूसरे की मां, बहनों, बेटियों की फुटेज क्यों जारी करें। सोचें, यह क्या तर्क है? विपक्ष फर्जी वोट जोड़े जाने के आरोप लगाता है तो विपक्ष से कहा जाता है कि हलफनामे के साथ सबूत दो। विपक्ष कंप्यूटर से पढ़े जा सकने लायक मतदाता सूची यानी मतदाता सूची की सॉफ्ट कॉपी मांगता है तो आयोग कहता है कि नहीं देंगे। इसके बाद भी आयोग को फुल इज्जत चाहिए!

तेजा सज्जा की मिराई की नई रिलीज डेट से उठा पर्दा

फिल्म हनुमान से रातोंरात प्रसिद्धि हासिल कर चुके एक्टर तेजा सज्जा अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म मिराई को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म हनुमान के बाद प्रशंसकों को उनकी आगामी फिल्म मिराई से काफी उम्मीदें हैं। लेकिन मिराई के लिए तेजा के फैंस को थोड़ा और इंतजार करना होगा।

तेजा सज्जा की नई सुपरहीरो फिल्म मिराई की रिलीज डेट बदल गई है। यह फिल्म पहले 5 सितंबर, 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह 12 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में आएगी। इसका ट्रेलर 28 अगस्त, 2025 को रिलीज होगा।

कार्तिक गट्टामनेनी द्वारा निर्देशित मिराई एक एक्शन–एडवेंचर फंतासी फिल्म है। इस फिल्म को पीपल मीडिया फैक्ट्री ने बनाया है। फिल्म में तेजा सज्जा के साथ मांचू मनोज मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जबकि रितिका नायक, जयराम, जगपति बाबू, श्रिया सरन, राजेंद्रनाथ जुत्शी और पवन चोपड़ा सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म पवन कल्याण की दे कॉल हिम ओजी और तेजा सज्जा की फिल्म मिराई में कड़ी टक्कर हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ये दोनों फिल्में आसपास रिलीज होंगी। फिल्म मिराई में भारी वीएफएक्स का इस्तेमाल किया गया है। इसका संगीत गौरा हरि ने दिया है, जो पहले हनुमान में भी तेजा के साथ काम कर चुके हैं।

हनुमान प्रशांत वर्मा द्वारा लिखित और निर्देशित एक भारतीय तेलुगु भाषा की सुपरहीरो फिल्म है।

नुसरत भरुचा की फिल्म की रिलीज डेट आई सामने

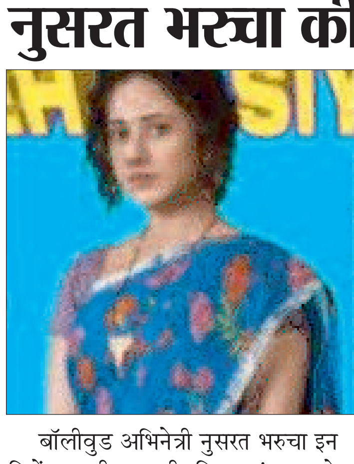

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरुचा इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'उफ्फ ये सियापाइ् को लेकर सुर्खियों में हैं। कॉमेडी और ड्रामा से भरपूर इस फिल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है। इस फिल्म से लंबे समय बाद नुसरत कॉमेडी अंदाज में बड़े पर्दे पर नजर आने वाली हैं।

फिल्म का निर्देशन जी अशोक ने किया है, जो 'पिल्ला जमींदारइ, 'भागमतीइ् और 'सुकुमारुडुइ् जैसी फिल्मों के लिए पहचाने जाते हैं। निर्माता लव रंजन और अंकुर गर्ग ने इस फिल्म को प्रोड्यूस किया है। लव रंजन और नुसरत भरुचा की जोड़ी पहले भी कई हिट फिल्मों में दर्शकों का मनोरंजन कर चुकी है, ऐसे में इस बार भी दर्शकों की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। नुसरत भरुचा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा किया। पोस्टर पर लिखा है – प्यार में भोली...गुस्से में बंदूक की गोली। इसके साथ उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट बताते हुए कैप्शन में सियापा स्क्वॉड का जिक्र किया। पोस्टर आते ही सोशल मीडिया पर हलचल मच गई और फैन्स ने इसे लेकर अलग–अलग तरह के रिएक्शन दिए।नुसरत भरुचा के अलावा फिल्म में नोरा फतेही, सोहम शाह, ओंकार कपूर और शारीब हाशमी भी नज़र आएंगे।

बॉक्स ऑफिस पर वॉर 2 की कमाई की रफ्तार धीमी

ऋतिक रोशन, कियारा आडवाणी और जूनियर एनटीआर जैसे दिग्गज सितारों की अदाकारी से सजी फिल्म वॉर 2 को 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। इस फिल्म की शुरुआत जोरदार रही थी, लेकिन अब फिल्म की रफ्तार धीमी पड़ती जा रही है। दूसरे रविवार को भी फिल्म के कारोबार में कोई खास उछाल देखने को नहीं मिला। अब वॉर 2 की कमाई के 12वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जिसमें गिरावट दर्ज की गई।

बॉक्स ऑफिस का लेखा–जोखा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, वॉर 2 ने रिलीज के 12वें दिन 2.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया।

कप्तानी ही है रजत पाटीदार की सफलता का राज! दलीप ट्रॉफी में ठोका तूफानी शतक

नई दिल्ली। भारतीय घरेलू क्रिकेट में से एक दलीप ट्रॉफी का आगाज हो गया है। इसमें अंतरराष्ट्रीय और डोमेस्टिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। आरसीबी को अपनी कप्तानी में पहली बार चैंपियन बनाने वाले रजत पाटीदार ने एक बार फिर कप्तानी पारी खेली है। सेंट्रल जोन की कप्तानी करते हुए रजत पाटीदार ने शानदार शतक जड़ा। दलीप ट्रॉफी में रजत पाटीदार सेंट्रल जोन की कप्तानी कर रहे हैं। टीम का पहला मुकाबला नार्थ ईस्ट जोन के खिलाफ है। सेंट्रल जोन की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करनी उतरी टीम को जल्दी ही पहला झटका लग गया। आर्यन जुआल रिटायर्ड हर्ट हो गए।

चार नंबर पर करने आए बल्लेबाजी

ऐसे में कप्तान रजत पाटीदार नंबर चार पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और बेहतरीन अंदाज में एक धमाकेदार पारी खेली। तीसरे नंबर पर आए दानिश मालेवार ने पहले अपनी सेंचुरी पूरी की और उसके बाद रजत ने भी खास मुकाम हासिल किया।

80 गेंद पर ठोका शतक

रजत पाटीदार के शतक की खास बात ये रही कि उन्होंने धीमी नहीं, बल्कि आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। पाटीदार ने 80 गेंद पर 18 चौके और दो छक्कों की मदद से अपना शतक पूरा किया। वह 96 गेंद पर 125 रन बनाकर आउट हुए। इस दौरान पाटीदार का स्ट्राइक रेट 130 का रहा। सेंट्रल जोन ने खबर लिखे जाने तक 400 का आंकड़ा छू लिया था।

भारतीय टीम में वापसी को बेताब

गौरतलब हो कि रजत पाटीदार ने अब तक भारत के लिए तीन टेस्ट और एक वनडे मुकाबला खेला है। हालांकि, अब पाटीदार टीम से बाहर हैं। यहां तक कि टी20 टीम में भी उन्हें जगह नहीं मिल पाई है। भारत के लिए तीन टेस्ट खेलकर रजत ने 63 रन बनाए हैं। वहीं, एक वनडे में उनके नाम 22 रन दर्ज हैं। रजत पाटीदार के पास अच्छा मौका है कि वह दलीप ट्रॉफी में दमदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम में जगह बना सकते हैं।

दानिश मालेवार ने डेब्यू मैच में रचा इतिहास, तूफानी शतक जड़कर सेलेक्शन के लिए दी दस्तक

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2025 के साथ भारतीय घरेलू सीजन की शुरुआत हुई। दूसरे क्वार्टर फाइनल में सेंट्रल जोन का सामना नॉर्थ ईस्ट जोन से हो रहा है। नॉर्थ ईस्ट जोन के कप्तान रोंगसेन जोनाथन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। सेंट्रल जोन की कप्तानी कर रहे रजत पाटीदार ने दानिश मालेवार को डेब्यू का मौका दिया। डेब्यू मैच में ही दानिश मालेवार ने इतिहास रच दिया। दानिश मालेवार दलीप ट्रॉफी में अपने डेब्यू मैच में शतक लगाने वाले विदर्भ के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। खास बात यह है कि यह उनका लगातार दूसरा शतक है, इससे पहले उन्होंने नागपुर में केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल में शतक लगाया था। विदर्भ के लिए इस सीजन में अपना प्रथम श्रेणी डेब्यू करने वाले 21 साल के दानिश मालेवार ने अब

तक 10 प्रथम श्रेणी मैचों में 800 रन बनाए हैं। इनमें मौजूदा दलीप ट्रॉफी भी शामिल है। मुकाबले की बात करें तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल जोन की शुरुआत खराब रही। 4 के स्कोर पर टीम को पहला झटका लगा। आकाश चौधरी ने सलामी बल्लेबाज आयुष पांडे को पवेलियन भेजा। आयुष पांडे ने 10 गेंदों पर 3 रन बनाए। दूसरे ओपनर आर्यन जुयाल 60 रन बनाकर रिटायर हर्ट हुए। वहीं कप्तान रजत पाटदीर ने तूफानी पारी खेली। उन्होंने 96 गेंदों का सामना किया और 125 रन बनाए। अपनी इस पारी में आईपीएल विनर कप्तान ने 21 चौके और 3 छक्के लगाए। दानिश मालेवार अपने दोहरे शतक की ओर बढ़ रहे हैं। पहले दिन स्टंप तक उन्होंने 219 गेंदों पर 198 रन बना दिए हैं। वहीं यश राठौड़ भी उनका भरपूर साथ दे रहे हैं। पहले दिन का खेल खत म होने तक वह 32 रन बनाकर नाबाद हैं।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व सैनिकों ने उठाई निराश्रित गोवंश संरक्षण की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लगातार शिकायत के बाद भी सड़क पर घूम रहे निराश्रित गोवंश का संरक्षण नहीं होने पर पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि नगर निगम को जल्द से जल्द निराश्रित गोवंश संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए। आए दिन गोवंश आमजन को घायल कर रहे हैं।

समस्या के संबंध में कालाबड़ स्थित कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान में विधानसभा कोटद्वार की सड़कों पर सैकड़ों की संख्या में निराश्रित गोवंश घूम रहा है, खासकर सड़कों पर घूम रहे नंदी लोगों के लिए खतरा बन रहे है। निराश्रित गोवंश वाहनों की चपेट में आने से चोटिल भी हो रहा है। कहा कि गोसेवा आयोग के अध्यक्ष की कार्यप्रणाली भी ठीक नहीं है, उनसे उम्मीद थी कि वे गोवंश के लिए स्थाई व्यवस्था के प्रयास करेंगे। कहा कि पिछले दिनों सड़क पर घूम रहे एक नंदी ने जौनपुर निवासी प्रकाश चंद्र पर हमला कर दिया था, जिनकी इलाज के दौरान मौत भी हो गई थी, उनके स्वजनों को अभी तक मुआवजा भी नहीं दिया गया है। इस मौके पर बलवान सिंह रावत, अनिल डबराल, हरीश चंद्र, संजय असवाल, पुष्कर सिंह, अनूप बिष्ट मौजूद रहे।

सेवा और अनुशासन के पथ पर आगे बढ़े

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : डायट चडीगांव में सात दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हो गया है। इस मौके पर जिला सचिव स्काउट केशर सिंह असवाल ने स्काउट के मूल तत्वों को सरल भाषा में समझाया।गुरुवार को डायट चडीगांव में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रादेशिक प्रशिक्षण आयुक्त आरएस नेगी ने कहा कि स्काउट जीवन में अनुशासन, आत्मनिर्भरता, सेवा-भाव तथा नेतृत्व का विकास करता है। उन्होंने स्काउटिंग के आदर्शों को व्यावहारिक जीवन से जोड़ते हुए प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित किया। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सेवा और अनुशासन के पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर डा. हरिशंकर डिमरी, महावीर सिंह कलेठा, रेवती बिष्ट, भुवनेश्वरी बिष्ट, अनुजा मैठाणी आदि मौजूद रहे।

बलराज गुसाईं को दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : राजकीय शिक्षक संघ पौड़ी के जिलाध्यक्ष बलराज सिंह गुसाईं के निधन पर जिला कार्यकारणी पौड़ी ने शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि दी। शोक सभा में वक्ताओं ने राजकीय शिक्षक संघ में बलराज गुसाईं द्वारा किए गए कार्यों को याद किया। कहा कि वे अत्यंत कर्मठ, मिलनसार संघ के प्रति निष्ठावान रहें। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में पूर्व जिला मंत्री मनमोहन चौहान, बिजेंद्र तोमर, संजय रावत, गजेंद्र सिंह रावत, राजीव थपलियाल, डबल सिंह रावत, हरीश जोशी, भाष्कर भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

तहसील दिवस 2 सितम्बर

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : चमोली के विकासखंड गैरसैंण के ब्लॉक सभागार में जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में 2 सितंबर को तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। प्रभारी अधिकारी की ओर से मिली जानकारी के अनुसार 2 सितंबर को पूर्व निर्धारित रोस्टर के अनुसार गैरसैंण विकासखंड सभागार में तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 11 बजे से अपराह्न 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी की ओर से सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को अनिवार्य रूप से बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

भूस्खलन से मकानों को खतरा

चमोली : नगर के आईटीआई मोहल्ले में अधूरे नाले और पुश्ते से भूस्खलन होने के कारण लोगों के मकानों को खतरा बना है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका की ओर से यहां पर नाले व पुश्ते को आधा अधूरा बनाकर छोड़ दिया गया है। जिससे पानी भूमि का कटाव कर रहा है और एसे में मकानों को खतरा बना है। आईटीआई निवासी सोहन नौटियाल ने कहा कि पूर्व की निविदा के अनुसार उनके आवासीय मकान के नीचे नगर पालिका परिषद द्वारा सुरक्षा दीवार का कार्य किया गया। ठेकेदार द्वारा कार्य को आधा छोड़ दिया गया। आधा कार्य होने के कारण भूस्खलन होना शुरू हो गया है एवं ठेकेदार द्वारा दीवार के ऊपर ग्रेडिंग भी नहीं की गई है जिससे कारण बरसात का सारा पानी दीवार में ही समाने से दीवार को खतरा हो गया है। कहा कि कई बार उन्होंने इस संबंध में प्रशासन व नगर पालिका के अधिकारियों को बताया, लेकिन उनकी समस्या पर कोई विचार नहीं किया जा रहा है।

अवैध खनन पर कार्रवाई, पन्द्रह ट्रैक्टर-ट्रॉली सीज

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : नदियों में लगातार हो रहे अवैध खनन के खिलाफ आखिर प्रशासन की नींद खुल ही गई है। बुधवार रात प्रशासन की टीम ने खोह नदी में छापेमारी करते हुए अवैध खनन में लिप्त पन्द्रह ट्रैक्टर-ट्रॉली को सीज किया। पिछले कुछ दिन से नदियों में अवैध खनन की शिकायत मिल रही थी। जिसका संज्ञान लेते हुए प्रशासन ने बुधवार रात तहसीलदार साक्षी उपाध्याय के नेतृत्व में नदियों में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान खोह नदी में ट्रैक्टर-ट्रॉली खनन कार्य में लिप्त पाई गई। प्रशासन का छापा पड़ते ही नदी में उपखनिज चोरी के लिए नदी में उतरे ट्रैक्टर वालों में हड़कंप मच गया। कई ट्रैक्टर-ट्राली चालक नदी से भागने में कामयाब रहे। जबकि पंद्रह ट्रैक्टर-ट्रालियों को उपखनिज समेत जब्त कर दिया गया।

कोटद्वार तहसील में खड़े बीती रात खोह नदी में हुए छापेमारी के दौरान पकड़े गए ट्रैक्टर-टॉली

बताना जरूरी है कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध खनन की शिकायतें सामने आ रही हैं। गाड़ीघाट क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पूरी रात खनन के ट्रैक्टर-ट्राली सड़क पर दौड़ते रहते हैं, जिससे उनकी रातों की नींद खराब हो जाती है। खनन की लगातार आ रही शिकायतों के चलते प्रशासन की टीम ने बीती रात खोह नदी में छापे की कार्यवाही की। उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी ने बताया कि छापे के दौरान पंद्रह ट्रैक्टर-ट्राली सीज की गई। बताया कि छापे की कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी। कहा कि इसके लिए प्रशासन की विशेष टीम भी गठित की गई है।

ग्रामीणों पर लगाया छवि धूमिल करने का आरोप

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : द्वारीखाल ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम तोली में भूमि खरीदने वाले व्यक्ति ने ग्रामीणों को उनकी छवि को धूमिल करने का आरोप लगाया है। कहा कि उन्होंने नियमों के तहत ही भूमि खरीदी है। बावजूद उनके ऊपर गलत आरोप लगाए जा रहे हैं। संदीप रौतेला ने कहा कि वे जयहरीखाल के मूल निवासी है, वे लैंसडौन व जयहरीखाल में होटल व्यवसाय करते हैं, उन्होंने ग्राम सभा तोली में भूमि क्रय की है, खरीदी गई भूमि की विक्रेता को पूरी धनराशि का भुगतान कर दिया है। जिसकी नियमानुसार स्टांप ड्यूटी अदाकर बकायदा रजिस्ट्री करवा दी है। लेकिन कुछ लोग मुझे बदनाम कर रहे है, तथा उपजिलाधिकारी को झूठा ज्ञापन दिया है। कहा कि उन्होंने उन्हें बदनाम करने वाले लोगों के खिलाफ मानहानि का कानूनी नोटिस भेज दिया है। कहा कि भूमि खरीद किए जाने की किसी भी जांच के लिए तैयार है।

लक्ष्मण को बचाने संजीवनी लाए हनुमान

काशीरामपुर में चल रही रामलीला मंचन में रावण अंगद संवाद का दृश्य।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत कल्पतरू बालिका रामलीला कमेटी की तरफ से रामलीला मंचन किया जा रहा है। जहां पर सातवें दिन की रामलीला मंचन में अंगद रावण संवाद, लक्ष्मण मेघनाथ का युद्ध, लक्ष्मण शक्ति, हनुमान का संजीवटी बूटी लाना, कुंभकरण के वध करने के दृश्यों को दिखाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंडी समिति के पूर्व अध्यक्ष सुमन कोटनाला ने किया। उन्होंने लोगों को मर्यादा पुरूषोत्तम रामचंद्र के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। रामलीला मंचन में सर्वप्रथम भगवान राम का संदेश लेकर अंगद लंका जाते है, जहां पर वे रावण से सीता को वापस लौटाने की बात करते है, जहां पर लंका का राजा रावण अंगद को ललकारता है, अंगद रावण की ललकार को स्वीकार करते हुए अपना पैर जमा देता है और कहता है कि हिम्मत है तो पहले वह मेरे पैर को हिला कर देखें। रामलीला मंचन में लक्ष्मण मेघनाथ युद्ध, लक्ष्मण शक्ति का प्रयोग, हनुमान का संजीवनी बूटी लाना के दृश्यों को दिखाया गया। इस मौके पर राकेश राज, अंचल कुमार अग्रवाल, दिनेश बौंठियाल मौजूद रहे।

अभाविप कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि में छात्र हितों से जुड़ी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई न होने पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को डीएसडब्ल्यू भवन के समीप विरोध प्रदर्शन किया। विद्यार्थी परिषद से जुड़े कार्यकर्ता और छात्र विवि प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गये।

धरने का नेतृत्व करते हुए गढ़वाल विवि के छात्रसंघ अध्यक्ष जसवंत राणा और विवि प्रतिनिधि (यूआर) आशीष पंत ने कहा कि लम्बे समय से विद्यार्थी परिषद चौरास परिसर में छात्रों की आवागमन की सुविधा के लिए ई-रिक्शा का संचालन करने, टीनशेड निर्माण करने और विभिन्न पाठ्यक्रमों में बढ़ाई गई फीस को तत्काल प्रभाव से वापस लेकर पूर्व की भांति रखे जाने, छात्रों से ली गई बढ़ी फीस को वापस लेने, शोध छात्रों की छात्रवृत्ति 8 हजार से बढ़ाकर 20 हजार करने मांग की जा रही है, लेकिन गढ़वाल विवि प्रशासन की ओर से कोई भी कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई है, जिसके चलते छात्रों में रोष व्याप्त है। इस दौरान विवि प्रशासन द्वारा छात्रों को धरना समाप्त करने की अपील की गई, किंतु छात्र मांगों पर लिखित आश्वासन पर अड़े रहे। करीब 6 घंटे छात्रों के धरने में डटे रहने पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही किये जाने पर लिखित आश्वासन दिया, जिसके बाद छात्रों ने धरना समाप्त किया। धरना प्रदर्शन में एबीवीपी के केंद्रीय विवि संयोजक अमन पंत, अभिषेक बर्त्वाल, महिपाल बिष्ट, हिमांशु भंडारी, रोहित कोहली, भुवन चमोली, सारांश बर्त्वाल, अजय कुमार, राहुल गौड़, पवन, रोशनी, सीमा, शैलजा आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

गढ़वाल विवि में मृतक आश्रितों को नियुक्ति दी जाएं

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि में मृतक आश्रितों को यथाशीघ्र स्थाई नियुक्ति दिए जाने की मांग उठी है। गुरुवार को इस संदर्भ में मृतक आश्रितों ने गढ़वाल विवि के कुलसचिव को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में रवि शंकर, सतेंद्र सिंह, गौरव गोस्वामी, इशान सजवाण और कुलदीप ने कहा कि गढ़वाल विवि वर्ष 2018 से अभी तक मृतक आश्रितों की नियुक्तियां नहीं की गई है।

कहा कि जिन कर्मचारियों ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा गढ़वाल विश्वविद्यालय की सेवा में लगा दिया, आज यही विश्वविद्यालय उन कर्मचारियों की आकस्मिक मृत्यु के पश्चात उनके परिवार की पीड़ा को नहीं समझ पा रहा है।उन्होंने यथाशीघ्र मृतक आश्रितों को स्थाई नियुक्ति दिए जाने की मांग की है। कहा कि यदि जल्द मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं होती है तो मृतक आश्रित उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। (एजेंसी)

पिंजरे में कैद हुआ गुलदार, दहशत बरकरार

कुछ दिन पूर्व सतपुली मल्ली में मासूम को बनाया था निवाला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सतपुली मल्ली क्षेत्र में वन विभाग की टीम ने देर रात गुलदार को ट्रैंकुलाइल कर पिंजरे में कैद कर लिया है। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि आसपास के क्षेत्र में अब भी कई अन्य गुलदार घूम रहे हैं। वन विभाग की टीम लगातार क्षेत्र में गश्त कर रही है।

सतपुली मल्ली में गुलदार ने बीते दिन नेपाली मूल के दो मासूम बच्चों पर हमला किया था। जिसमें से एक 3 साल के मासूम को गुलदार ने निवाला बना लिया था। इस घटना के दो दिन बाद गुलदार ने एक बच्चे को घायल कर दिया था। मल्ली सतपुली सहित कुल्हाड और आसपास के क्षेत्र में रह रहे लोगों में डर बना हुआ था। ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर वन विभाग से गुलदार को नरभक्षी घोषित करने की मांग की थी। जिसके चलते वन विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की। यह ऑपरेशन वन्यजीव विशेषज्ञ पशु चिकित्साधिकारी डा. अमित ध्यानी, डा. प्रदीप मिश्रा के नेतृत्व में किया गया। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि अभी भी क्षेत्र में दो और गुलदार दिखाई दे रहे है। डीएफओ आकाश गंगवार ने बताया कि विभाग की टीम आगे भी ट्रैंकुलाइल करती रहेगी। विभाग के अफसरों के मुताबिक पकड़े गए गुलदार को हरिद्वार ले जाया जा रहा है। जहां इसकी जांच की जाएगी। वहीं एआईसीसी के सदस्य कांग्रेसी नेता राजपाल बिष्ट ने मल्ली सतपुली में वन विभाग के द्वारा जल्दबाजी करने व पिंजरे हटाए जाने पर नाराजगी जताई हैं। कहा कि अभी लोगों में भय का माहौल है और अभी आसपास गुलदार देखे जा रहे हैं। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी पुष्पेंद्र राणा ने भी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि सतपुली बाजार में अभी गुलदार की चहलकदमी देखी जा रही है। इसलिए पिंजरे हटाना गलत है।

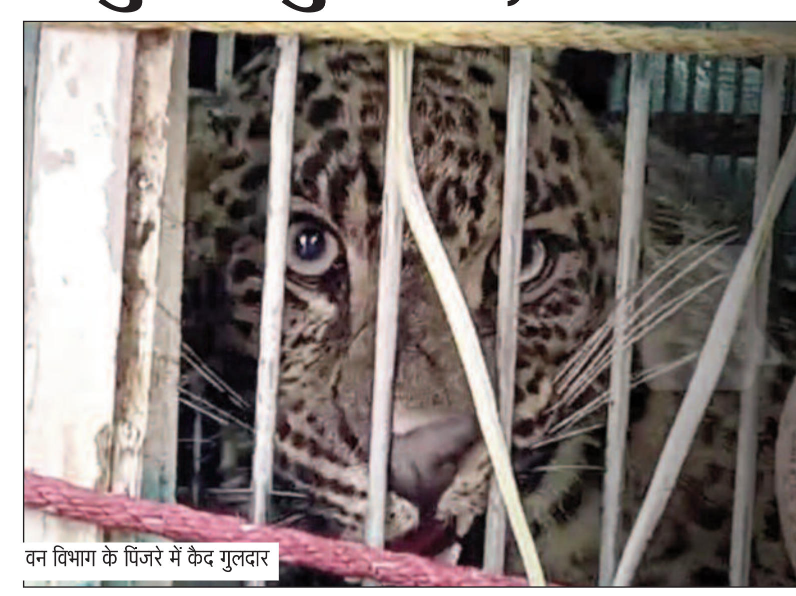
वन विभाग के पिंजरे में कैद गुलदार

लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग को लेकर लापरवाह रही भाजपा : नेगी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। वर्ष-2007 से 12 तक सत्ता में रही भाजपा सरकार मोटर मार्ग निर्माण को लेकर लापरवाह रही। जबकि, स्थानीय जनता लगातार मार्ग निर्माण की मांग उठा रही थी। कहा कि वर्ष 2017 से लेकर 20022 तक भी भाजपा ने मार्ग को उलझाकर रखा। कहा कि वह जल्द ही मार्ग निर्माण को लेकर आंदोलन चलाएंगे।

गुरुवार को पूर्व काबीना मंत्री ने इस संबंध में पत्रकारों से वार्ता की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2002 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार के समय उन्होंने लालाढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण के लिए प्रयास किए। वर्ष 2003 में मोटर मार्ग के समरेखण के लिए 91 लाख की धनराशि स्वीकृत करवा कर ईपीआई कंपनी के माध्यम से कार्य शुरू करवा दिया था। लेकिन प्रदेश में सत्ता बदलने के बाद सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने अपने स्वार्थ के लिए ईपीआई कंपनी पर रोक लगा दी। जिससे निर्माण कार्य को बंद कर दिया गया। बताया कि वर्ष 2012 में एक बार फिर से कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद उक्त मार्ग के लिए 7 करोड़ 6 लाख 60 हजार रूपए की स्वीकृति करवाई। जिसके बाद मार्ग निर्माण शुरु करवाया गया। लेकिन, वर्ष 2017 में फिर भाजपा ने मार्ग को उलझा दिया। नतीजा, मामला न्यायालय में चला गया। बताया कि भाजपा ने कभी भी न्यायालय में पैरवी ठीक से नहीं करवाई। नतीजा, आज तक मोटर मार्ग निर्माण नहीं हो पाया है। इस मौके पर संजय मित्तल, शूरवीर खेतवाल, डा. चंद्रमोहन खर्कवाल, विनीता भारती, गोपाल सिंह गुसांई मौजूद रहे।

कोटद्वार में पत्रकारों से वार्ता करते पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी,

एसडीएम ने लिया नुकसान का जायजा

चमोली : उपजिलाधिकारी थराली पंकज भट्ट ने आपदा प्रभावित क्षेत्र थाला, तलवाड़ी में आपदा से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने थाला गांव को जोड़ने वाले पैदल रास्तों, पेयजल लाइन तथा महिपाल सिंह, राजेंद्र सिंह, भरत सिंह, राजेंद्र सिंह अमर सिंह, लीला देवी, चम्पा देवी, पुष्कर राम, कमला देवी, दीपक घुनियाल, सुरेन्द्र सिंह, रोशनी देवी, आदि की क्षतिग्रस्त गोशाला और भवनों का निरीक्षक भी किया। इस दौरान ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि पैदल रास्ते, पुलिया, पेयजल लाइन टूट जाने के कारण क्षेत्र में पानी का संकट बना है। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य कला देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य मनमोहन चतुरा, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य खिलाप सिंह रावत, गुलाब सिंह, मोहन सिंह महिपाल सिंह सरपंच, गोपाल सिंह राजेंद्र रावत, रेखा बिष्ट बसंती देवी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

संयुक्त अस्पताल में बनीं पेयजल किल्लत

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : संयुक्त अस्पताल सतपुली में पिछले काफी समय से पेयजल किल्लत बनी हुई है। लेकिन इस ओर जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे है। जिससे अस्पताल के स्टाफ सहित भर्ती मरीजों के तीमारदार पानी ढोने को मजबूर हैं।

बीते चार दिनों से अस्पताल में बेहद कम पेयजल की आपूर्ति हो रही है। सरकार के लाख दावों के बाद भी चिकित्सकों को सही ढंग से आवासीय सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। सरकारी अस्पताल में पेयजल किल्लत से यहां पर रहने वाले चिकित्सकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मरीजों व तीमारदारों को भी पेयजल किल्लत से दो-चार होना पड़ रहा है। वहीं, चिकित्सा प्रभारी आशीष ढौंडियाल ने कहा कि अस्पताल में पेयजल आपूर्ति सुचारु किए जाने को लेकर उपजिलाधिकारी सतपुली और जल संस्थान के अधिकारियों को पत्र भेजा गया है।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

मुरादाबाद मंडल के हरिद्वार स्टेशन पर पर निर्गत पार्सल शेड के पास दोपहिया वाहनों की पैकिंग और अन्य पार्सल पैकिंग सेवा के लिए अनुबंध **03** साल हेतु **ई-नीलामी** के तहत दिनांक **10.09.2025** टाइम **11:00 am** को बोली **www.ireps.gov.in** के माध्यम से आमंत्रित की जाएंगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें वेबसाइट पर ही उपलब्ध हैं।

2608/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

11.82 लाख की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

चमोली : चमोली पुलिस ने फर्जी वेबसाइट और सोशल मीडिया के जरिए लाखों रुपये की ठगी करने वाले आरोपी देवेन्द्र कुमार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। गुरुवार को आरोपी को पुरसाड़ी जिला कारागार भेज दिया गया है। 2024 में अजय सिंह निवासी हल्दापानी ने थाना गोपेश्वर में शिकायत दर्ज कराई थी कि इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप के माध्यम से एक फर्जी वेबसाइट पर निवेश का लालच देकर उनसे 11,82,000 रुपये हड़कंप लिए गए। पुलिस ने आईपीसी की विभिन्न धाराओं के साथ-साथ आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। प्रभारी निरीक्षक अनुरोध ब्यास के नेतृत्व में पुलिस टीम ने साइबर तकनीकी एवं अन्य सुरागों के आधार पर आरोपी की पहचान की। पुलिस ने बुधवार को चमोली टैक्सी स्टैंड के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने बताया कि आरोपी देवेन्द्र कुमार, पुत्र ओमप्रकाश, निवासी जहांगीर पुरी, नॉर्थ वेस्ट दिल्ली है। इस ठगी के पीछे फर्जी वेबसाइट और सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया गया था, जिसमें निवेशकों को बड़े मुनाफे का झांसा देकर रकम हड़प ली गई। पुलिस ने जनता से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी ऑनलाइन निवेश से पहले पूरी जांच-पड़ताल अवश्य करें। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक अनुरोध ब्यास, हेड कांस्टेबल गोपाल सिंह और कांस्टेबल बनवीर सिंह शामिल रहे। (एजेंसी)

समाज कल्याण विभाग आयोजित करेगा जन सुविधा शिविर

जयन्त प्रतिनिधि।रूद्रप्रयाग : समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने एवं उनसे स्थानीय पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से आगामी दिवसों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिलाधिकारी प्रतीक जैन के निर्देशन में समाज कल्याण विभाग द्वारा जन सुविधा शिविर लगाए जा रहे हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी टीआर मलेठा ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से संबंधित पेंशन/जन सुविधा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। बताया कि निर्धारित रोस्टर के अनुसार 03 सितंबर को विकासखंड अगस्त्यमुनि के राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज गणेश नगर में जन सुविधा शिविर लगाया जाएगा। इसके अलावा 16 सितंबर को विकासखंड जखोली के राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज कोट बांगर में तथा 23 सितंबर को विकासखंड अगस्त्यमुनि के राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज बाड़ा में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से संबंधित पेंशन/जन सुविधा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीपीएम/जीएसयू/मुरादाबाद द्वारा ई-टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि 19.09.2025 है। निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है जो उसी दिन 15:30 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेटबैंकिंग, डेबिटकार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	01-GSU-MB-25-26 28/08/2025
कार्य का नाम	ABSS: Soft upgradation of Balamau railway station
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	19/09/2025, 15:30 Hrs.
अनुमानित लागत	31514985.05
धरोहर राशि	307600.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	05/09/2025

No. Dy.CE/GSU/MB/Publication-01/25-26 DATED: 28/08/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2613/25

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष ने भूख हड़ताल की समाप्त

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विभिन्न मांगों को लेकर पिछले तीन दिन से भूख हड़ताल पर डटे पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अंकुश घिल्डियाल ने गुरुवार को अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी। विश्वविद्यालय की ओर से जल्द ही छात्रों की समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया गया है।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच में बरती जा रही लापरवाही सहित विभिन्न मांगों को लेकर पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अंकुश घिल्डियाल भूख-हड़ताल पर बैठे हुए थे।

गुरुवार को प्राचार्य प्रो. डीएस नेगी व छात्रसंघ प्रभारी डा. बसंतिका कश्यप महाविद्यालय गेट में भूख हड़ताल पर बैठे पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अंकुश घिल्डियाल के पास पहुंचे। प्राचार्य की ओर से श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से भेजे गए पत्र के संबंध में जानकारी दी है। बताया कि महाविद्यालय प्रशासन की ओर से आठ-सूत्रीय मांगों को लेकर छात्रों की ओर से दिया गया ज्ञापन विश्वविद्यालय प्रशासन को भेजा गया था। जिसके बाद विश्वविद्यालय के कुलपति ने परीक्षा नियंत्रक को सभी मांगों पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। प्राचार्य की ओर से दी गई जानकारी के बाद पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष ने भूख हड़ताल समाप्त कर दी। इस मौके पर पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष विजय रावत, हिमांशु बहुखंडी, सुभम सुयाल, मंदीप, आयुष, दमनदीप, तनिष्क, अंबिका, अंकुर, मनीष मौजूद रहे।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के गेट मे विश्व विद्यालय की ओर से भेजे गए पत्र को पढ़कर सुनाते शिक्षक

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्टपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता /III/मुरादाबाद द्वारा **ई टेन्डर** निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चौक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	145-DRM-MB-25-26 DATE 28.08.2025	146-DRM-MB-25-26 DATE 28.08.2025	147-DRM-MB-25-26 DATE 28.08.2025	148-DRM-MB-25-26 DATE 28.08.2025
कार्य का नाम	Zone No.- 2 from Km 1284 to 1327 (PMR to BTO Stations) for General Work Residential Buildings for year 2025-26 under ADEN/BE	Zone No.-4 from Km 1327 to 1381 (DAN to MPH Stations) for General Work in Residential Buildings for year 2025-26 under ADEN/BE	TRR(P)-11.782 Km & other Miscellaneous Works in the Section of ADEN/SPN under Sr. DEN/III/MB.	Zone No.- 1 from Km 1284 to 1327 (PMR to BTO Stations) for General Work in Service Buildings for year 2025-26 under ADEN/BE.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	22.09.2025 at 16:00 Hrs	22.09.2025 at 16:00 Hrs	22.09.2025 at 16:00 Hrs	22.09.2025 at 16:00 Hrs
अनुमानित लागत	₹99,96,294.62	₹79,98,838.18	₹1,28,63,505.04	₹99,97,558.61
धरोहर राशि	₹1,99,900.00	₹1,60,000.00	₹2,14,300.00	₹2,00,000.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	08.09.2025	08.09.2025	08.09.2025	08.09.2025
आफर की वैधता	60 Days	60 Days	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 Months	12 Months	08 Months	12 Months

नं.: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 28.08.2025

2615/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

ब्यूटी पार्लर एवं कॉस्मेटिक उद्यम से संवर गई रेखा की जिंदगी: सीडीओ

देहरादून। रायपुर ब्लाक के गांव मालदेवता निवासी रेखा चौहान ब्यूटी पार्लर और कॉस्मेटिक उद्यम से आत्मनिर्भर बनकर दूसरों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बन गई है। इस उद्यम से जुड़कर रेखा चौहान अब प्रतिमाह 20 हजार रुपए से अधिक की आय अर्जित करने लगी है। सीडीओ अभिनव शाह ने बताया कि रेखा चौहान शुरूआत से ही परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना चाहती थी। लेकिन संसाधनों की कमी के कारण उन्हें चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। वर्ष 2021 में जिला प्रशासन द्वारा गांव में कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन (सीआरपी) अभियान संचालित किया जा रहा था। इसका उद्देश्य छूटे हुए परिवारों को समूह से जोड़ते हुए उनका संस्थागत एवं क्षमता विकास किया जाना था रेखा ने 07 अन्य महिलाओं के साथ मिलकर प्रगति स्वयं सहायता गठित किया। समूह से जुड़ने के बाद सभी सदस्यों ने स्वरोजगार परक विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण और वित्तीय समावेशन की जानकारी ली। उन्होंने ब्यूटी पॉलर्र एवं कॉस्मेटिक शॉप संचालन का निर्णय लिया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत समूह को फंड उपलब्ध कराया गया। ग्राम पंचायत मालदेवता में प्रगति स्वयं सहायता समूह को सीसीएल के रूप में 50 हजार और सीआईएफ से 30 हजार की धनराशि प्रदान की गई।

जालसाजी कर 85 हजार ठगे

चमोली : गैरसैंण के आदिबदरी तहसील लंगटाई गांव के टैक्सी चालक देवेंद्र सिंह ने थाना गैरसैंण में साइबर ठगी का मामला दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि 22 अगस्त को उन्हें एक अज्ञात मोबाइल नंबर से कॉल आया, जिसमें ठग ने खुद को एक सरकारी विभाग का का दीवान बताकर परिचित के बीमार होने का बहाना बनाया और मदद की गुहार लगाई। देवेंद्र ने शाम को अपने खाते से 85 हजार रुपये गूगल पे के माध्यम से ठग के खाते में भेज दिए। इसके बाद रकम वापस नहीं आई। उन्होंने साइबर वित्तीय हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। (एजेंसी)

भांग की फसल को नष्ट किया

चमोली : चमोली पुलिस ने गुरुवार को भांग की खेती के खिलाफ अभियान चलाया। पुलिस ने बताया कि भेंटी के भिरतोली और पठेली तोक में कुछ लोगों द्वारा गुप्त रूप से अवैध भांग की खेती की जा रही है। पुलिस ने बताया सूचना पर उनि मनोज भट्ट के नेतृत्व में 12 सदस्य पुलिस टीम मौके पर पहुंची और खेतों में खड़ी भांग की फसल को मौके पर ही नष्ट कर दिया। (एजेंसी)

अभद्रता पर एसडीओ ने पुलिस से की शिकायत

विकासनगर। ऊर्जा निगम के एसडीओ ने अभद्रता और सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाया है। उन्होंने कोतवाली चकराता में इस संबंध में क्षेत्र की एक महिला के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। चकराता कोतवाली में दी गई तहरीर में उपखंड अधिकारी चकराता अशोक कुमार ने बताया कि चकराता की एक महिला ने विद्युत संयोजन के लिए पोल शिफ्ट करने के लिए उनके कार्यालय में पत्र दिया था। जिस संबंध में विभाग ने उन्हें विद्युत पोल के स्थानांतरण के लिए 32,350 की धनराशि जमा करने के लिए टीसी उपलब्ध कराई थी। आरोप लगाया कि धनराशि विभाग में जमा नहीं कराई गई। धनराशि को कम करने के लिए राजनीतिक दबाव भी डलवाया गया एवं विभागीय उच्चाधिकारियों को गुमराह भी किया गया। गुरुवार सुबह 11 बजे वह अपने कर्मचारी बहादुर सिंह के साथ महिला के परिसर का निरीक्षण करने पहुंचे तो पाया कि उनके द्वारा मीटर से आगे की केबल जमीन के अंदर डाली गई है। केबल में कई जगह से कट लगाए गए थे। जिससे वर्तमान में बरसात के मौसम में कोई भी जनहानि हो सकती है। जब इसका वीडियो बना रहे थे तो महिला के बेटे ने उनके साथ गाली-गलौज की और देख लेने की धमकी दी।

ग्रामीणों को नुकसान का मुआवजा वितरित करें: कैड़ा

हल्द्वानी। विधायक राम सिंह कैड़ा ने गुरुवार को भीमताल ब्लॉक के पिनरो, भटेलिया आदि गांवों का दौरा कर बीते दिनों भूस्खलन से हुए नुकसान का जायजा लिया। जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर आपदा में हुए नुकसान का निरीक्षण कराया। विधायक कैड़ा ने कहा कि ग्रामीणों के घरों के आगे और पीछे मलबा आने से मकानों पर खतरा बना हुआ है।

शिव शक्ति कीर्तन मंडली द्वारा भजन संध्या आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि विक्रम संवत 2082 कड़क पहाड़ी खेल प्रोत्साहन समिति द्वारा आज गणेश चतुर्थी महोत्सव के दूसरे दिन काशीरामपुर तल्ला श्री राम मंदिर कॉलोनी की शिव शक्ति कीर्तन मंडली द्वारा भजन संध्या आयोजित की गई जिसमें उन्होंनेश्याम दौड़े दौड़े आए, म्हारो घर पधारो गजानन जी आदि भजनो की एक से एक सुंदर प्रस्तुति दी। कड़क पहाड़ी खेल प्रोत्साहन समिति के अध्यक्ष बबलू नेगी ने कीर्तन मंडली का आभार व्यक्त किया।

उत्तराखंड में भी राष्ट्रीय स्तर के फिल्म महोत्सव का हो आयोजन: बर्द्धन

देहरादून। उत्तराखंड में भी राष्ट्रीय स्तर का फिल्म महोत्सव आयोजित किए जाने के निर्देश मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने दिए। उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद को इस दिशा में कार्य किए जाने के निर्देश दिए। गुरुवार को सचिवालय में फिल्म विकास परिषद के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. नितिन उपाध्याय ने मुख्य सचिव से मुलाकात की। मुख्य सचिव को परिषद की गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य में फिल्म निर्माण से जुड़े इको सिस्टम को प्रोत्साहित करने को ठोस कदम उठाए जाएं। भारत सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर का फिल्म महोत्सव आयोजित करने का प्रस्ताव तैयार किया जाए। इसके साथ ही दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में कम लागत के सिनेमा हॉल की संभावनाओं पर विचार किया जाए। स्थानीय युवाओं एवं कलाकारों को अधिक अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम किया जाए। मुलाकात के दौरान उपाध्याय ने फिल्म नीति की जानकारी दी। बताया कि उत्तराखंड में फिल्म निर्माण की अनुमति प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने को सिंगल विंडो सिस्टम काम कर रहा है। एक वर्ष में प्रदेश में लगभग 30 क्षेत्रीय फ़िल्मों का निर्माण हुआ है। कुछ फिल्में निर्माणाधीन हैं।

चॉकडाउन हड़ताल को लेकर शिक्षकों में असमंजस की स्थिति.. राजकीय शिक्षक संघ में छिड़ी रार

देहरादून। माध्यमिक स्कूलों में चल रही चॉकडाउन हड़ताल को लेकर शिक्षकों में असमंजस की स्थिति पैदा हुई है। राजकीय शिक्षक संघ के भीतर भी इसे लेकर रार छिड़ गई है। क्योंकि संघ ने बुधवार को पहले शिक्षण कार्य पर लौटने का ऐलान किया और फिर कुछ घंटों बाद ही इसे पलटते हुए चॉकडाउन हड़ताल को यथावत जारी रखने का फैसला जारी किया। इससे संघ के अंदर चल रही खींचतान भी उजागर हुई है। हालांकि राजकीय शिक्षक संघ ने दावा किया कि शिक्षक एकजुटता के साथ हड़ताल पर कायम हैं। राजकीय शिक्षक संघ प्रधानाचार्य सीधी भर्ती प्रक्रिया स्थगित करने, शतप्रतिशत पदोन्नति और स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू करने के साथ ही अन्य मांगों को लेकर 18 अगस्त से चॉकडाउन हड़ताल पर है।

ब्लॉक और जिला मुख्यालय में प्रदर्शन के बाद मंडल मुख्यालय में प्रदर्शन होना था, लेकिन फिलहाल इसे टाल दिया गया है। अब एक सितंबर से निदेशालय में शिक्षक धरना शुरू करने जा रहे हैं। हालांकि शिक्षा सचिव निदेशालय परिसर में किसी तरह के धरना-प्रदर्शन पर रोक लगा चुके हैं। इसका शिक्षक विरोध भी कर रहे हैं। राजकीय शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष राम सिंह चौहान ने कहा कि शिक्षक एकजुट हैं और वह चरणबद्ध ढंग से तब तक आंदोलन जारी रखेंगे, जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाती हैं। इधर, प्रदेश महामंत्री रमेश पैन्यूली ने कहा कि अभिभावकों और सामाजिक संगठनों की मांग पर छात्र हित में केवल शिक्षण कार्य पर लौटने की सहमति बनी थी, लेकिन संघ के आम सदस्यों और विभिन्न कार्यकारिणियों को यह निर्णय सही नहीं लगा। इसलिए संगठन और शिक्षकों की भावनाओं का सम्मान करते हुए हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि एक सितंबर से शिक्षक निदेशालय पर धरना शुरू करने जा रहे हैं। पौड़ी और देहरादून में शिक्षक संघ के धरने के दौरान मिनिस्ट्रियल कर्मचारियों के खिलाफ की गई बयानबाजी भी तूल पकड़ रही है। इसे लेकर मिनिस्ट्रियल कर्मचारियों में नाराजगी भी है। सोशल मीडिया में भी मिनिस्ट्रियल कर्मचारियों से जुड़े संगठन के पदाधिकारी इसमें खुलकर बयानबाजी कर रहे हैं। आंदोलन के बहाने नई कार्यकारिणी के चुनाव में जुटे शिक्षक नेता राजकीय शिक्षक संघ की प्रदेश कार्यकारिणी के साथ ही कई जिला कार्यकारिणियों को कार्यकाल खत्म हो चुका है। अभी शाखा और ब्लॉक स्तर पर कार्यकारिणी गठन की प्रक्रिया चल रही है। ऐसे में हड़ताल के दौरान शिक्षक राजनीति में दिलचस्पी रखने वाले टीचर आंदोलन के दौरान खासी सक्रियता दिखा रहे हैं। भर्ती समर्थक शिक्षक पहले ही खोले हुए हैं मोर्चाः राजकीय शिक्षक संघ से जुड़े भर्ती समर्थक शिक्षक पहले से मोर्चा खोले हुए हैं।

डीएम बसंल के प्रयासों से धरातल पर उतर रही कई योजनाएं

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल के प्रयासों से देहरादून में आज कई योजनाएं धरातल पर उतर रही है और समस्याओं का तत्परता और समय से समाधान होने से आम जनता को राहत मिल रही है। राजधानी देहरादून में सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित यातायात के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्व है। डीएम के निर्देश पर देहरादून के 11 प्रमुख जंक्शनों पर ट्रैफिक लाइट लगाने पूर्ण हो गया है, जिसके अन्तर्गत महाराणा प्रताप चौक, नालपानी चौक, मोथोरावाला चौक, आईटी पार्क, टांस्पोर्टनगर, प्रेमनगर चौक, सुधोवाला चौक, रांगड़वाला, सेलाकुई बाजार तिराहा में लाईट लगाने का कार्य पूर्ण हो गया है तथा धूलकोट तिराहा व डाकपत्थर तिराहा में जल्द कार्य गतिमान है। जिलाधिकारी के प्रयासों से शहर में 05 वर्षों में प्रथम बार प्रमुख चौराहों पर लगे पुलिस के सीसीटीवी कैमरे भी इंटीग्रेट करवाए जा चुके है। जिससे सड़को पर सुरक्षित यातायात की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है।

जिला प्रशासन द्वारा राजधानी देहरादून को सुंदर और पौराणिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों से संवारने के लिए अभिनव कार्य किए जा रहे है। इसमें देहरादून स्थित साई मंदिर जंक्शन, कुठालगेट और दिलाराम चौक का पहाड़ी शैली में सौन्दर्यीकरण कार्य लगभग पूर्ण हो गया है। इन स्थलों पर राज्य की सांस्कृतिक विशेषताओं को दर्शाती हुई कलाओं के माध्यम से आने वाले पर्यटक राज्य की संस्कृति परम्परा से रूबरू हो सकेंगे।

नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान का किया सम्मान

चमोली : ग्राम पंचायत सरना में नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान ममता रावत की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान नव निर्वाचित ग्राम प्रधान स्वागत एवं सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में विकासखंड पोखरी की ग्राम पंचायत अधिकारी संजना की अध्यक्षता में सभी ग्राम पंचायत सदस्यों का माल्यापर्ण एवं स्वागत किया। ग्राम वासियों की उपस्थिति से बैठक में विकास कायो की चर्चा कि गई और विभिन्न योजनाओं के बारे में समस्त ग्राम वासियों को अवगत कराया। ग्राम प्रधान ने कहा कि सबको साथ लेकर अपनी ग्राम पंचायत को आदर्श ग्राम पंचायत बनाने की पूरी कोशिश करूंगी। (एजेंसी)

बीएसएनएल कर्मियों ने शुरू किया धरना

नई टिहरी : बीएसएनएल कैजुअल एंड कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स फेडरेशन (संविदा कर्मी) टिहरी-उत्तरकाशी खंड से हटाए गए कर्मियों की बहाली समेत अन्य मांगों को लेकर बीएसएनएल कार्यालय के बाहर बेमियादी धरना शुरू कर दिया है। जल्द समस्या हल न होने पर उन्होंने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। फेडरेशन के प्रांतीय अध्यक्ष नित्यानंद बहुगुणा के नेतृत्व में कर्मियों ने धरना देते हुए कहा कि बीएसएनएल ने बगैर कारण के विभागीय संविदा कर्मियों को हटा रहा है। गत दिसंबर माह में विभाग ने बिना कारण के 7 कर्मियों की सेवा समाप्त कर दी। इसी पूर्व में कई कर्मियों को हटा दिया गया। हटाए गए कर्मियों की बहाली के लिए संगठन पदाधिकारियों कई बार अधिकारियों को अवगत करवाया गया। लेकिन कुछ कार्यवाही नहीं हुई। मानकों के अनुसार संविदा कर्मियों को मानदेय भी नहीं दिया जा रहा है। अधिकारी श्रम कानूनों का उल्लंघन करने में लगे हैं। संविदा कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा से वंचित किया जा रहा है। मानदेय का समय पर भुगतान नहीं किए जाने से कर्मियों में आक्रोश बना है। मांगें पूरी न होने तक उनका धरना जारी रहेगा। इस मौके पर जयदेव रावत, मोहन लाल, दर्मियान सिंह, सुनील बहुगुणा, शांति प्रसाद बहुगुणा, विरेंद्र डोभाल, हर्ष विजय भट्ट, महेश प्रसाद, सरोप सिंह नेगी, पंच लाल, मकान सिंह, महावीर रावत आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

शिक्षण कार्य ठप रख कार्यबहिष्कार पर रहे शिक्षक

विकासनगर। राजकीय शिक्षक संघ की हड़ताल के चलते बीते 11 दिनों से माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षण कार्य ठप पड़ा हुआ है।

शिक्षक अभी हड़ताल समाप्त करने के पक्ष में नहीं हैं। हालांकि, बुधवार को जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन के बाद एक प्रांतीय नेतृत्व ने स्कूलों में शिक्षण कार्य शुरू करने और अन्य प्रशासनिक कार्यों का बहिष्कार जारी रखने का निर्णय लिया था, जिसकी सूचना सभी ब्लॉक इकाइयों को भी दे दी गई थी, लेकिन देर रात इस निर्णय को वापस ले लिया गया। जिसके चलते गुरुवार को भी शिक्षक पूर्ण कार्य बहिष्कार पर रहे। शिक्षकों के कार्य बहिष्कार के कारण माध्यमिक विद्यालयों में 26 और 27 अगस्त को होने वाली मासिक परीक्षा भी नहीं हो पाई, जबकि बोर्ड परीक्षा आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया भी ठप पड़ी हुई है। राजकीय शिक्षक संघ के कालसी ब्लॉक अध्यक्ष अनिल राणा, विकासनगर ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर कांति, चकराता ब्लॉक अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने बताया कि सरकार शिक्षकों की जायज मांगों पर कार्रवाई के बजाय उनके खिलाफ उत्पीड़नात्मक कार्रवाई कर रही है।

सभी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई होने के बाद ही प्रांतीय नेतृत्व से हड़ताल वापस लेने का अनुरोध किया गया, जिसके चलते गुरुवार को भी संपूर्ण कार्य बहिष्कार जारी रखने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक के लिए सबसे कष्टदायी पल होता है जब वो स्कूल में मौजूद होते हुए भी शिक्षण कार्य से खुद को अलग रखता है, लेकिन अभिभावक भी शिक्षकों की समस्या से वाकिफ हैं।

जनसारी की जगह जौनसारी जनजाति किया जाए

विकासनगर, जौनसार बावर पर्वतीय जनजाति कल्याण समिति ने भारत सरकार के जनजाति मंत्रालय में जौनसारी जनजाति को दर्शाए गए जनसारी जनजाति पर आपत्ति जताई है। समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि इस त्रुटि के कारण कई विभागों में जौनसारी जनजाति के उम्मीदवार को लाभ नहीं मिल पा रहा है। पदाधिकारियों ने कहा कि इस संबंध में जल्द ही चकराता, विकासनगर के विधायकों से मुलाकात की जाएगी। विकासनगर में हुई समिति की बैठक में वक्ताओं ने कहा कि यह त्रुटि सालों से चली आ रही है, लेकिन आज तक किसी ने भी इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की। इसका खामियाजा जौनसार-बावर के युवाओं को उठाना पड़ रहा है। उन्हें विभागों में हो रही नियुक्तियों में इस त्रुटि के कारण लाभ नहीं मिल पा रहा है।

केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने किया धर्मशाला, क्राफ्ट म्यूजियम और नशा मुक्ति केंद्र का शुभारंभ

अल्मोड़ा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा ने गुरुवार को अल्मोड़ा नगर में 69.82 लाख रुपये की लागत से बने मुंशी हरिप्रसाद टम्टा धर्मशाला और क्राफ्ट म्यूजियम केंद्र का लोकार्पण किया। इसके साथ ही बेस अस्पताल परिसर में स्थापित 30 बेड वाले राजकीय नशा मुक्ति और पुनर्वास केंद्र का भी शुभारंभ किया। कार्यक्रम में अजय टम्टा ने कहा कि मुंशी हरिप्रसाद टम्टा के नाम पर निर्मित यह धर्मशाला यात्रियों के लिए सुविधाजनक साबित होगी। वहीं, क्राफ्ट म्यूजियम स्थानीय हस्तशिल्प उत्पादों को नई पहचान दिलाने के साथ कारीगरों के कौशल और आर्थिकी को मजबूती देगा। उन्होंने बताया कि अल्मोड़ा बेस अस्पताल में शुरू किया गया यह नशा मुक्ति केंद्र जनपद का पहला ऐसा केंद्र है, जो राज्य मेंटल हेल्थ के मानकों के अनुरूप बनाया गया है। यहां 24 घंटे काउंसलर, मनोवैज्ञानिक और अन्य स्टाफ तैनात रहेंगे। उद्घाटन के बाद केंद्रीय राज्य मंत्री ने केंद्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और संचालन संस्था को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। अजय टम्टा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में नशा मुक्त उत्तराखंड के संकल्प को पूरा करने की दिशा में यह केंद्र एक अहम कदम है। इस केंद्र के संचालन से अल्मोड़ा के साथ कुमाऊं मंडल के अन्य जिलों के लोगों को भी लाभ मिलेगा। नशा मुक्ति केंद्र का संचालन संकल्प नशा मुक्त देवभूमि ट्रस्ट द्वारा किया जाएगा। इसके लिए जिलाधिकारी ने जिला खनन न्यास फाउंडेशन निधि से 10 लाख रुपये जारी किए हैं। संस्था के प्रभारी आशुतोष सिंह असवाल ने बताया कि भर्ती मरीजों को निःशुल्क परामर्श, उपचार, भोजन, दवाएं और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। केंद्र में भर्ती के लिए मरीज का राशन कार्ड, आधार कार्ड और अभिभावक का आधार कार्ड अनिवार्य होगा। इस अवसर पर विधायक रानीखेत डॉ. प्रमोद नैनवाल, मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा, राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य सी.पी. भैंसोड़ा, जिला समाज कल्याण अधिकारी आराधना त्रिपाठी, संस्था के प्रभारी आशुतोष सिंह असवाल और काउंसलर ममता जोशी सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

31 अगस्त को विभिन्न पदों के लिए आयोजित की जाएगी लिखित परीक्षा

देहरादून। उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग हरिद्वार द्वारा 31 अगस्त, 2025 को उत्तराखण्ड न्यायिक सेवा सिविल न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी) प्रारम्भिक परीक्षा-2023 जनपद देहरादून के 19 परीक्षा केन्द्रों पर एकल पाली में प्रातः 10 बजे से 01 बजे के मध्य संपन्न की जाएगी। इस परीक्षा में 8314 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा को संपन्न कराने के लिए 10 सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए है।जबकि उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग देहरादून द्वारा 31 अगस्त, 2025 को ही फोटोग्राफर, स्नातक सहायक, प्रतिरूप सहायक, वैज्ञानिक सहायक के पदों की लिखित प्रतियोगी परीक्षा जनपद देहरादून के 22 परीक्षा केन्द्र पर एकल पाली में प्रातः 11 बजे से 01 बजे के मध्य संपन्न की जाएगी। इस परीक्षा में 9462 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए 14 सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए है।अपर जिलाधिकारी (एफआर) केके मिश्रा ने बृहस्पतिवार को सभी जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट और केंद्र व्यवस्थापकों की बैठक लेते हुए परीक्षा को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि परीक्षा में उचित फिस्किंग होगी। कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण परीक्षा कक्ष में नहीं लाया जाएगा। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट निर्धारित समय पर परीक्षा सामग्री को उपलब्ध करायेंगे और अपने केन्द्रों का निरीक्षण करेंगें। उन्होंने निर्देशित किया कि आयोग द्वारा प्रदत्त निर्देशों एवं सौंपे गए दायित्व का पूरी तरह से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में उपस्थित आयोग के प्रतिनिधियों ने आयोग से सम्बंधित दिशा निर्देश से सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को अवगत कराया गया। बताया कि परीक्षा केन्द्र में फोटोकॉपी रूम सील रहेगा और परीक्षा की सामग्री निर्धारित प्रक्रिया के साथ खोली जाएगी। सभी केन्द्र व्यवस्थापक को अपने परीक्षा कक्ष का निरीक्षण करने एवं परीक्षा की गाइडलाइन के सम्बन्ध में आयोग के निर्देशों से अवगत कराया गया।

चरस के साथ दो तस्करों गिरफ्तार

विकासनगर। सेलाकुई थाना पुलिस ने चरस के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से अलग-अलग 498 ग्राम चरस बरामद की गई है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस ऐक्ट में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया।

जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। दोनों पिकअप चालक हैं। चरस उन्होंने हिमाचल के नेरूवा निवासी एक व्यक्ति से खरीदी थी। थानाध्यक्ष सेलाकुई पीडी भट्ट ने बताया कि बुधवार रात को एसएसआई सेलाकुई जितेंद्र कुमार चीता पुलिस के साथ धूलकोट तिराहे के पास चेकिंग कर रहे थे। कुछ देर बाद दो व्यक्ति सिंहनीवाला को ओर से आते हुए दिखाई दिए।

श्रद्धा और उल्लास के साथ आस्था के महापर्व जागड़े का समापन

विकासनगर। जौनसार बावर में मंगलवार से शुरू हुआ आस्था का महापर्व जागड़ा गुरुवार को देव ढाल देने के साथ समाप्त हो गया। पर्व के अंतिम दिन जौनसार क्षेत्र के महासू मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस दौरान कई मंदिरों में जागड़ा मनाया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने देवता और देव माली के समक्ष अपनी समस्याओं को रखा। मंदिरों में श्रद्धालुओं की ओर से भेंट देने का सिलसिला महापर्व के अंतिम दिन भी जारी रहा। महासू धाम हनोल जागरे (जौनसार में जागड़ा) मेला हरियाली के दिन से लगातार जल रही अखण्ड ज्योति घी कुंड पूर्ण होने के साथ ही मन्दिर के कपाट गुरुवार शाम को बंद हो गए। जागरा मेला लोक पर्व की परम्परा अनुसार, 26 अगस्त रात्रि को सोदोड शयन पूजा अर्चना के समय मन्दिर के चारों द्वार और कोठार के द्वार भी साल में एक बार तीन दिन के लिए दर्शन के लिए खुलते हैं। परम्परा है हरियाड़ी की शाम को घी कुंड अखण्ड ज्योति जलाई जाती है, जो तीसरे दिन गुरुवार शाम तक जलती रही। अखंड ज्योति के बुझते ही निरोड़ियों ने विधि विधान से मंदिर के द्वार बंद कर दिए। इसके साथ ही चार निरोड़ियों ने मंदिर के धार्मिक अनुष्ठानों और क्रिया कलापों की जिम्मेदारी पुजारी को सौंपी।

आठ साल बाद भी नगर पालिका को हस्तांतरित नहीं हुई दो ग्राम पंचायतों की परसंपत्तियां

विकासनगर। परिसीमन के तहत विकासनगर ब्लॉक की दो ग्राम पंचायतों को नगर निकाय का हिस्सा बनाया गया था, लेकिन आठ साल बाद भी इन ग्राम सभाओं की जमीन और परिसंपत्तियां नगर पालिका में हस्तांतरित नहीं हो पाई है। इस कारण नगर पालिका को इन दोनों नए वार्डों में विकास कार्य कराने के लिए जमीन नहीं मिल पा रही है। दरअसल, पहले नगर पालिका विकासनगर में नौ वार्ड थे। आठ साल पहले दो ग्राम पंचायतों बाबूगढ और रसूलपुर पंचायत को विकासनगर नगर पालिका में शामिल किया गया था। जिसके बाद पालिका में वार्डों की संख्या ग्यारह हो गई है। इसके बाद पालिका में इन वार्डों के लोगों ने दो बार अध्यक्ष और सभासद भी चुन लिए।

वर्तमान बोर्ड का कार्यकाल भी लगभग छह माह पूरा हो गया है, लेकिन अभी तक नगर पालिका में शामिल हुए ग्राम पंचायतों के भूमि हस्तानांरण के लिए कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अभी तक पालिका प्रशासन के पास गांवों में सरकारी जमीन का कोई आंकड़ा ही नहीं है। प्रत्येक पंचायत में कुछ जमीन ग्राम समाज की होती है, जिस पर नियंत्रण राज्य सरकार का होता है। निकाय में शामिल होने के बाद ऐसी जमीन निकाय प्रशासन के स्वामित्व में आ जाती हैं, लेकिन बाबूगढ़ और रसूलपुर जैसी बड़ी पंचायतें निकाय में शामिल होने के बाद निकाय प्रशासन को तत्कालीन ग्राम समाज की जमीन नहीं सौंपी गई। नगर पालिका को तत्कालीन ग्राम समाज की जमीन की कोई जानकारी ही नहीं है। ऐसे में इन जमीनों पर कब्जे की संभावना तो है ही साथ ही इससे नगर पालिका के विकास कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। निकाय को इन क्षेत्रों में निर्माण के लिए जमीन नहीं मिल रही है। खासकर पार्क, पेयजल टैंक, वाहनों की पार्किंग के लिए जगह नहीं मिल रही है। जबकि, पालिका प्रशासन लगातर इस संबंध में जिला प्रशासन से पत्राचार कर रहा है। एक बार फिर से पालिका प्रशासन ने जिला प्रशासन को पत्र लिखकर जमीन हस्तांतरित करने की मांग की है।

परिसीमन के बाद निकाय में दो ग्राम पंचायतें शामिल की गईं, लेकिन उन पंचायतों का खसरा नंबर, उनकी परिसंपत्तियों की कोई जानकारी नहीं दी गई। सिर्फ सीमांकन के आधार पर पंचायतों को निकाय के हवाले किया गया।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया

विकासनगर। ग्रामीण महिला विकास समिति की ओर से रामपुर के गुज्जर बस्ती में एक निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे करीब 150 लोगों ने स्वास्थ्य जांच और उपचार का लाभ उठाया। शिविर में सुभारती हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच कर परामर्श दिया। इस अवसर पर मरीजों को निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। शिविर में प्रमुख चिकित्सक डॉ. बीडी सेमवाल ने लोगों को स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समय-समय पर जांच और सही खान-पान से अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। वहीं, महिला चिकित्सक डॉ. प्रियंका पाल ने विशेष रूप से महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी ।

अध्यापक से आईफोन, एटीएम और बाइक लूटने वाला आरोपी गिरफ्तार

विकासनगर। शिक्षक से मोबाइल, एटीएम, नकदी और बाइक लूटने वाले आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से लूटा हुआ माल बरामद कर लिया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। कोतवाल विनोद गुसाईं ने बताया कि बुधवार को फतेह सिंह चौहान पुत्र स्व. केदार सिंह हाल निवास चकराता रोड लाइन जीवनगढ विकासनगर ने तहरीर दी थी। बताया कि वह राजकीय प्राथमिक विद्यालय (राप्रावि) मटक माजरी में अध्यापक हैं। 26 अगस्त को वह बाइक से स्कूल जा रहे थे। ढ़करानी ढालीपुल के पास एक व्यक्ति ने उससे लिफ्ट मांगी। उन्होंने उसे पीछे बैठा लिया। आरोपी ने बताया कि वह टाइल लगाने का काम करता है। उन्होंने भी अपने वॉशरूम में टाइल का काम कराना था। इस पर आरोपी ने कहा कि वह उनके यहां टाइल लगा देगा। इसके बाद आरोपी ने मोबाइल नंबर मांगा और कहा कि वह बाद में संपर्क करेगा। स्कूल से छुट्टी के बाद जब फतेह सिंह वापस घर जा रहे थे तो उन्हें आरोपी का फोन आया। बताया कि वह धर्मावाला पहुंचकर फोन करेगा। चार बजे करीब आरोपी ने फतेह सिंह को धर्मावाला चौक बुलाया। कहा कि वह टाइल लगाने के लिए उनका बाथरूम देख लेगा। इसके बाद उसे शराब पिलाने के लिए कहा। रास्ते में उसने अपना नाम शहीद बताया। बताया कि डाकपत्थर ठेके पर पहुंचने पर उन्होंने शराब खरीदी। उसने बाड़वाला से जाने की बात कही।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338